मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक
रांची, शनिवार, 19 सितंबर 2026
संवत 2083, भाद्रपद शुक्ल 8 मूल्य-2 रुपये
वर्ष-10, अंक 15 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▶▶ तेल पर अमेरिकी दाव के बीच भारत की दो टूक!
वाइब के लिए प्रीति जिंटा ने की खूब भाग दौड़ ◀◀ 6

बीआईटी मेसरा के हॉस्टल में फंदे से लटकता मिला छात्रा का शव, जांच में जुटी पुलिस

शुक्रवार रात कमरे में मिला शव, पुलिस को नहीं मिला सुसाइड नोट, यूडी केस दर्ज कर जांच शुरू

संवाददाता

रांची: राजधानी रांची के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान बीआईटी मेसरा के हॉस्टल नंबर-9 में एमएससी फिजिक्स की छात्रा अंजली सुमन की मौत हो गई। शुक्रवार देर रात छात्रा का शव उसके कमरे में मिला। घटना की जानकारी मिलते ही हॉस्टल परिसर में हड़कंप मच गया। सूचना पर बीआईटी ओपी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अंजली मूल रूप से गोड्डा की रहने वाली थी। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार शाम कॉलेज से लौटने के बाद अंजली अपने कमरे में चली गई थी। काफी देर तक उसके कमरे से बाहर नहीं निकलने पर हॉस्टल की अन्य छात्राओं को संदेह हुआ।

छात्राओं ने इसकी जानकारी कॉलेज प्रबंधन को दी। इसके बाद कमरे की जांच की गई, जहां अंजली मृत मिली। घटना की सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की।

डायरी में पारिवारिक परिस्थितियों का जिक्र

पुलिस ने छात्रा के कमरे की तलाशी ली, लेकिन वहां से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ। हालांकि, जांच के दौरान पुलिस को एक डायरी मिली है। पुलिस के अनुसार, डायरी में अंजली ने अपने पारिवारिक हालात का जिक्र किया है। इन परिस्थितियों के कारण परेशान होने की बात लिखी है। पुलिस डायरी में दर्ज बातों की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि छात्रा की मौत के पीछे किन परिस्थितियों की भूमिका रही। फिलहाल पुलिस ने मौत के कारण को लेकर कोई अंतिम निष्कर्ष नहीं निकाला है। घटना के बाद कॉलेज और हॉस्टल में रहने वाली छात्राओं के बीच भी शोक का माहौल है।

यूडी केस दर्ज, परिजनों और सहपाठियों से पूछताछ

बीआईटी ओपी प्रभारी अजय कुमार दास के अनुसार फिलहाल मामले में यूडी केस दर्ज कर जांच की जा रही है। शव का पोस्टमार्टम आज होगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के साथ पुलिस छात्रा के परिजनों और हॉस्टल में रहने वाली अन्य छात्राओं से भी जानकारी जुटाएगी। पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि घटना से पहले अंजली की दिनचर्या कैसी थी। क्या किसी तरह की परेशानी या तनाव की जानकारी उसके करीबियों को थी। पुलिस का कहना है कि मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट करने के लिए सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है।

डगरा पिकेट पर तैनात जैप जवान ने सर्विस राइफल से खुद को मारी गोली, मौत

पलामू : नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र के डगरा पुलिस पिकेट में शनिवार सुबह जैप के एक सूबेदार ने अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। गोली लगने से जवान की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस महकमे में अफरा-तफरी मच गई। मृतक जवान का नाम बुचुन पाल है। जानकारी के अनुसार, जवान बुचुन पाल डगरा पिकेट पर ड्यूटी में तैनात था। इसी दौरान उसने अपनी सर्विस हथियार से खुद को गोली मार ली। गोली चलने की आवाज सुनकर पिकेट में तैनात अन्य जवान मौके पर पहुंचे तो देखा कि वह गंभीर हालत में पड़ा है। जांच करने पर पता चला कि उसकी मौत हो चुकी है। सूचना मिलने पर पुलिस के वरीय अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के पीछे की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो पायी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और पिकेट में तैनात जवानों से भी जानकारी ली जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, आत्महत्या के कारणों का पता जांच पूरी होने के बाद ही चल सकेगा। फिलहाल पुलिस घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। मृतक जवान के परिजनों को भी घटना की सूचना दे दी गयी है।

मुंगेर : प्रसाद खाने के बाद इंजीनियरिंग कॉलेज के 24 छात्राओं की तबीयत बिगड़ी

मुंगेर : राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में शुक्रवार को विश्वकर्मा पूजा का प्रसाद खाने के बाद कई छात्राओं की तबीयत खराब हो गई। इसके बाद कॉलेज प्रशासन ने आनन-फानन में सभी छात्राओं को मुंगेर सदर अस्पताल में भर्ती कराया। हॉस्टल में एक के बाद एक छात्राओं की तबीयत बिगड़ने से कॉलेज में अफरातफरी मच गई।

प्रसाद खाने के बाद शुरू हुआ दर्द

छात्राओं के अनुसार, कॉलेज परिसर में विश्वकर्मा पूजा के दौरान प्रसाद बांटा गया था। प्रसाद खाने के कुछ समय बाद कई छात्राओं के पेट में दर्द और ऐंठन शुरू हो गई। इसके बाद कुछ छात्राओं को उल्टी और दस्त भी होने लगे। सभी छात्राओं को मुंगेर सदर अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों ने छात्राओं का इलाज शुरू किया। छात्राओं को जरूरत के अनुसार दवाएं दी गईं और कई छात्राओं को सलाइन भी चढ़ाई गई।

डॉक्टरों के अनुसार, फिलहाल सभी छात्राओं की हालत नियंत्रण में है। किसी भी छात्रा की स्थिति गंभीर नहीं बताई गई है। बीमार छात्राओं में साक्षी कुमारी, शिवाङ्गी कुमारी, अन्नू कुमारी, फौजिया कुमारी, ज्योति कुमारी, अर्पिता कुमारी, अनमोल कुमारी, जानवी कुमारी और कंचन कुमारी समेत कुल 24 छात्राएं शामिल हैं।

फूड प्वाइजनिंग की आशंका: प्रसाद खाने के थोड़ी देर बाद ही बड़ी संख्या में छात्राओं के बीमार पड़ने से फूड प्वाइजनिंग की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। बीमारी की सही वजह जांच के बाद ही सामने आएगी।

कांड्रा स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक से व्यक्ति का शव बरामद, शिनाख्त में जुटी पुलिस

सरायकेला : जिले के कांड्रा स्टेशन से चांडिल की ओर जाने वाली अप लाइन में शुक्रवार देर रात एक व्यक्ति का शव मिला। शव झांझर पुल से पहले पोल संख्या 389/र11 के पास ट्रैक के किनारे बरामद किया गया। घटना की जानकारी मालगाड़ी के लोको पायलट ने रेलवे कंट्रोल को दी। जानकारी के अनुसार, मालगाड़ी के लोको पायलट की नजर ट्रैक किनारे पड़े शव पर पड़ी। उन्होंने तुरंत इसकी जानकारी रेलवे कंट्रोल को दी। सूचना मिलने के बाद रेलवे कंट्रोल की ओर से मामले की डायरी एंट्री कराई गई। इसके बाद आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच शुरू की।

यूएन में होर्मुज संकट पर भारत की दो टूक

समुद्री व्यापार को भू-राजनीतिक तनाव का निशाना न बनाएं

एजेंसी

नई दिल्ली /एजेंसी: होर्मुज जलडमरूमध्य में जारी तनाव के बीच भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में समुद्री व्यापार और नाविकों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी। हरीश ने कहा कि व्यापारिक जहाजों को भू-राजनीतिक तनाव का निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत नेविगेशन की स्वतंत्रता और सुरक्षित समुद्री मार्गों का सम्मान करने की अपील की।

बहरीन की ओर से बुलाई गई सुरक्षा परिषद की आरिया-फॉमूर्ला बैठक में हरीश ने कहा कि भारत एक प्रमुख समुद्री राष्ट्र है और वह स्वतंत्र, खुले, सुरक्षित तथा नियम आधारित समुद्री क्षेत्र का मजबूती से समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि जहाजों के नेविगेशन के अधिकार पर जबरदस्ती, धमकी, गैरकानूनी प्रतिबंध या मनमाने हस्तक्षेप का असर नहीं पड़ना चाहिए।

हरीश ने कहा कि प्रमुख समुद्री मार्गों में रुकावट का असर केवल संबंधित क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता। इससे वैकल्पिक समुद्री मार्गों पर दबाव बढ़ता है, माल ढुलाई और बीमा की लागत बढ़ती है तथा ऊर्जा और खाद्य आपूर्ति प्रभावित होती है। इसका असर विकासशील देशों पर भी पड़ सकता है।

भारत ने होर्मुज संकट के दौरान अपने नाविकों की सुरक्षा का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। हरीश ने कहा कि संघर्ष वाले इलाकों में फंसे समुद्री यात्रियों की सुरक्षा सामूहिक प्रयासों के केंद्र में होनी चाहिए। उनके लिए समय पर सुरक्षित निकासी, चिकित्सा सहायता, चालक दल में बदलाव और स्वदेश वापसी की प्रभावी व्यवस्था के साथ अंतरराष्ट्रीय सहयोग जरूरी है।

भारत ने बताया कि उसकी समुद्री सुरक्षा गतिविधियों के तहत 14 सितंबर तक अदन की खाड़ी और लाल सागर से 449 से अधिक व्यापारिक जहाजों को सुरक्षित गुजरने में मदद मिली। इन जहाजों में करीब 20.3 मिलियन मीट्रिक टन कार्गो और तेल था, जिसकी कीमत 8.4 अरब डॉलर से अधिक बताई गई है।

हरीश ने पश्चिमी अरब सागर में भारतीय नौसेना की ऑपरेशन ऊर्जा सुरक्षा का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि पश्चिम एशिया में सुरक्षा स्थिति बिगड़ने के बाद व्यापारिक मार्गों की सुरक्षा के लिए 13 मार्च तक भारतीय नौसेना की 11 इकाइयों को क्षेत्र में तैनात किया गया था।

भारत ने समुद्री सुरक्षा से जुड़े नए खतरों को लेकर भी आगाह किया। हरीश ने बिना चालक वाले सिस्टम से होने वाले हमलों, साइबर जोखिम और नेविगेशन एवं संचार में हस्तक्षेप को उभरती चुनौतियों में शामिल बताया। उन्होंने कहा कि इन खतरों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग, क्षमता निर्माण और तकनीक के जिम्मेदार इस्तेमाल की जरूरत है।

भारत ने यह भी स्पष्ट किया कि लक्ष्य केवल किसी संकट के बाद समुद्री आवाजाही बहाल करना नहीं होना चाहिए, बल्कि ऐसी मजबूत समुद्री व्यवस्था तैयार करना होना चाहिए, जो संकट के व्यापक आर्थिक और मानवीय प्रभावों को फैलने से पहले ही रोक सके।

408 साल पुराना है श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह का विवाद , इलाहाबाद हाईकोर्ट में टली सुनवाई

एजेंसी

प्रयागराज : कृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद पर सुनवाई इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा स्थगित कर दी गई है। अगली सुनवाई 13 अक्टूबर को होगी। विवाद से जुड़े कई मुकदमें दर्ज हैं जिनमें से किसे मुख्य मामला माना जाए, इस सवाल पर सुप्रीम कोर्ट फंस गई थी। अगस्त में ही सुप्रीम कोर्ट की ओर से संकेत दिया गया था कि इस उलझन को इलाहाबाद हाईकोर्ट ही सुलझाएगी।

हिंदू पक्ष का दावाः हिंदू पक्ष का कहना है कि विवादित जमीन पर पूरा हक हिंदुओं का है। उनका कहना है कि मस्जिद की दीवारों और खंभों पर आज भी हिंदू धार्मिक चिन्ह, जैसे कमल के फूल और शेषनाग की आकृतियां मौजूद हैं। उनकी मांग है कि मस्जिद को वहां से हटाकर जमीन मंदिर ट्रस्ट को सौंपी जाए।

मुस्लिम पक्ष का तर्कः मुस्लिम पक्ष यानी शाही ईदगाह कमेटी का कहना है कि यह मस्जिद सदियों पुरानी है और 1968 में दोनों पक्षों के बीच एक समझौता हो चुका था। जिसके तहत मस्जिद की जगह पर उनका अधिकार माना गया था।

यह पूरा मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट के 18 जुलाई, 2025 के उस आदेश से जुड़ा है, जिसमें एक वादी की अर्जी मंजूर करते हुए उसके मुकदमे को अन्य सभी मुकदमों के लिए 'प्रतिनिधि मुकदमा' मान लिया गया था और तय किया गया था कि इस पर फैसला पहले होगा। हाईकोर्ट के इसी फैसले के खिलाफ एक अन्य हिंदू वादी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। याचिकाकर्ता की दलील है कि जब मथुरा जिला अदालत से सभी मुकदमे हाईकोर्ट ट्रांसफर हुए थे, तब उनका मुकदमा मुख्य था, ऐसे में बिना बाकी पक्षों को सुने किसी दूसरे वादी को सभी कृष्ण भक्तों का प्रतिनिधि दर्जा देना पूरी तरह गलत है।

शाही ईदगाह परिसर को लेकर लंबित हैं 20 से अधिक मुकदमेः मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मस्जिद परिसर के मालिकाना हक को लेकर 20 से ज्यादा दीवानी मुकदमे चल रहे हैं। हिंदू पक्ष का दावा है कि मुगल शासक औरंगजेब ने जन्मभूमि पर बने प्राचीन मंदिर को तोड़कर वहां मस्जिद बनवाई थी, जिसके निशान आज भी परिसर में मौजूद हैं। शुरूआत में ये सभी मामले मथुरा की निचली अदालत में दाखिल हुए थे, जिन्हें बाद में हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया गया। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट में भी मस्जिद कमेटी और हिंदू पक्षों की कई अर्जियां लंबित हैं, जिनमें से एक याचिका पर शीर्ष अदालत ने जनवरी 2024 में विवादित परिसर के कोर्ट कमिश्नर सर्वे कराने के हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी थी।

समझिए विवाद का इतिहास और कानूनी मोड़ः श्रीकृष्ण जन्मभूमि सेवा संघ और शाही ईदगाह मस्जिद कमेटी के बीच 1968 में एक समझौता हुआ था, जिसमें मस्जिद के वजूद को स्वीकारा गया था। हालांकि मौजूदा याचिकाओं में हिंदू पक्ष इस समझौते को अवैध और धोखाधड़ी बताकर खारिज करने की मांग कर रहा है। इसके बाद साल 1991 में प्लेस ऑफ वर्शिप एक्ट लाया जाता है। मुस्लिम पक्ष इस कानून का हवाला देते हैं। जिसके अनुसार 15 अगस्त 1947 को जो धार्मिक स्थल जिस रूप में था, उसे बदला नहीं जा सकता। वहीं हिंदू पक्ष का तर्क है कि यह कानून इस मामले पर लागू नहीं होता है क्योंकि जमीन के मालिकाना हक पर विवाद बहुत पहले से चलता आ रहा है।

क्या है कृष्ण जन्मभूमि विवाद?

मथुरा का कृष्ण जन्मभूमि विवाद मुख्य रूप से 13..37 एकड़ जमीन के मालिकाना हक को लेकर है। जिस पर श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर (करीब 11 एकड़ जमीन पर) और शाही ईदगाह मस्जिद दोनों बने हुए हैं। हिंदू पक्ष का दावा है कि मुगल शासक औरंगजेब ने 1670 में यहां स्थित प्राचीन केशवदेव मंदिर को तुड़वाकर उसके ऊपर मस्जिद का निर्माण करवाया था। हिंदू पक्ष का मानना है कि मस्जिद का मुख्य हिस्सा (गर्भ गृह) वही सटीक स्थान है जहां भगवान श्रीकृष्ण का जन्म हुआ था।

एक ही परिवार के चार सदस्यों की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या, सनसनी

कमरे में मिले मां-बच्चों के शव, पति हिरासत में , अवैध संबंध का शक

एजेंसी

दमोह : मध्य प्रदेश के दमोह जिले अंतर्गत मगरोन थाना क्षेत्र के कबीरपुर गांव में एक रोंगटे खड़े कर देने वाली वारदात सामने आई है। यहां एक ही परिवार के चार सदस्यों की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई हत्या से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। घर के भीतर एक के शव मिलने से गांव में मातम और दहशत का माहौल है। घटना की खबर मिलते ही मगरोन थाना प्रभारी वंदना गौर, फतेहपुर चौकी प्रभारी रघुवीर सिंह और पथरिया एसडीओपी प्रिया सिंधी भारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे।

महिला और उसके तीन मासूम बच्चों

मां सहित 1, 4 और 7 साल के बच्चों की मौत, पति से पूछताछः प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मृतकों में खेमा पटेल (27 वर्ष), उसकी सात वर्षीय बेटी उर्मिला पटेल, चार वर्षीय बेटा उमेश पटेल और महज एक साल का दुधमुंहा बेटा राजा पटेल शामिल हैं। मृतका का पति द्वारका पटेल मजदूरी के सिलसिले में बाहर रहता था और हाल ही में घर लौटा था। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पति को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। इलाके में अवैध संबंधों के चलते वारदात को अंजाम दिए जाने की चर्चा है, हालांकि पुलिस ने अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

नलखेड़ा में दर्दनाक हादसा : बगलामुखी दर्शन कर लौट रहे ओडिशा के 8 श्रद्धालुओं की मौत, नाले में बही कार

एजेंसी

आगर मालवा : जिले के नलखेड़ा में मां बगलामुखी माता मंदिर के पास उफनते बरसाती नाले में श्रद्धालुओं से भरी कार बह गई। हादसे में कार सवार आठ लोगों की मौत हो गई। मृतकों में तीन बच्चे, दो महिलाएं और तीन पुरुष शामिल हैं। सभी मृतक ओडिशा के रहने वाले बताए जा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार श्रद्धालु उज्जैन से टैक्सी किराये पर लेकर मां बगलामुखी माता मंदिर के दर्शन करने नलखेड़ा पहुंचे थे। दर्शन के बाद लौटते समय मंदिर के पास स्थित बरसाती नाला तेज बारिश के कारण उफान पर था, इसी दौरान कार तेज बहाव की चपेट में आ गई और नाले में बह गई। हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। टीम ने काफी मशक्कत के बाद कार को उफनते नाले से बाहर निकाला। कार में सवार सभी आठ लोगों की मौत हो चुकी थी।

जल्दबाजी में नाला पार करने की आशंकाः पुलिस के मुताबिक प्रारंभिक जांच में आशंका है कि तेज बहाव के बीच चालक ने जल्दबाजी में नाला पार करने का प्रयास किया, जिसके कारण कार पानी के तेज बहाव में फंसकर बह गई। हालांकि हादसे की वास्तविक वजह की जांच की जा रही है।

मृतकों की पहचान में जुटी पुलिस

एसपी दिलीप कुमार सोनी के मुताबिक हादसे में तीन बच्चों, दो महिलाओं और तीन पुरुषों की मौत हुई है। सभी मृतक ओडिशा के निवासी बताए जा रहे हैं। पुलिस मृतकों की पहचान और उनके परिजनों से संपर्क की प्रक्रिया में जुटी है। प्रशासन और पुलिस की टीम पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

हैदराबाद गणेश विसर्जन से लौट रहे परिवार की कार दुर्घटनाग्रस्त, 4 की मौत, एक गंभीर

हैदराबाद : तेलंगाना के हैदराबाद के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर हुए भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा शमशाबाद थाना क्षेत्र के पालमकुला गांव के बाहरी इलाके में हुआ।

शमशाबाद पुलिस के मुताबिक, एक इनोवा कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में कार सवार चार लोगों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान 54 वर्षीय व्यवसायी केथावथ लिंब्या, उनकी 45 वर्षीय पत्नी केथावथ जमुना, 48 वर्षीय व्यवसायी कट्रावथ मानसिंह और लिंब्या के 45 वर्षीय बेटे केथावथ वाश्राम के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, सभी लोग महबूबनगर स्थित अपने पैतृक गांव मेत्तुगुड्डा थंडा गए थे। वहां उन्होंने गणेश विसर्जन से जुड़े कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। विसर्जन के बाद सभी लोग चार पहिया वाहन से शमशाबाद की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान एनएच-44 पर उनकी कार हादसे का शिकार हो गई।

हादसे में कार चालक सबावथ अशोक को गंभीर चोटें आई हैं। उसे तत्काल इलाज के लिए शमशाबाद के निजी ट्राइडेंट अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

न्यूज IN ब्रीफ

धान की बल्लियां फूटी

मुरी : जब आप सिल्ली- पतराहातु क्षेत्र से गुजरेगें तो रोड किनारे खेतों में धान की बल्लियां फूटी दिखाई पडेगीं। यहां पर आपको प्राकृतिक की एक अलग तरह की खूबसूरती का अहसास होगा। प्रायः ऐसा अभी से एक महीने बाद देखने को मिलता है, लेकिन इस बार अभी से ही प्रकृति की ऐसी खूबसूरती देखने को मिल रही है। यह क्षेत्र पहाडों की तराई वाला क्षेत्र है।

करम पर्व को लेकर मिट्टी के घोड़े की बिक्री बढ़ी

मुरी : कल शुक्रवार को रामपुर चारलु बाजार में मिट्टी के घोड़े की बिक्री हो रही हो रही थी। ज्ञात हो कि करम पर्व पर ग्रामीण मिट्टी के घोड़े खरीदतें है। कल बाजार में सामान्य दिनों की अपेक्षा खरीदारों की भीड़ ज्यादा थी। आज सिल्ली स्टेडियम में करम उत्सव धूमधाम से मनाने की तैयारी कर ली गई है। जिसमे सुदेश महतो भी शामिल रहेंगे।

करम पूर्व संध्या पर मांदर की थाप से गूंजा समाहरणालय, उपायुक्त ने भी बजाया मांदर

रांची : समाहरणालय ब्लॉक-बी सभागार में करम पूर्व संध्या समारोह का आयोजन किया गया। समारोह झारखंड की समृद्ध आदिवासी संस्कृति और प्रकृति के प्रति गहरे जुड़ाव का जीवंत उदाहरण बना। जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री एवं वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। समाहरणालय कर्मियों ने पारंपरिक पगड़ी और शॉल भेंट कर दोनों अधिकारियों का स्वागत किया।

समाहरणालय कर्मियों ने करम गीत और आकर्षक नृत्य प्रस्तुत कर समारोह में सांस्कृतिक रंग भर दिया। गीत-नृत्य की प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। इस अवसर पर उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा कि करम प्रकृति का पर्व है। प्रकृति की पूजा और प्रार्थना का उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित रखना और प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर जीवन जीना है।

उन्होंने कहा कि झारखंड की संस्कृति, वेशभूषा, खान-पान, नृत्य और पेड़-पौधों एवं प्रकृति के प्रति लोगों का प्रेम उन्हें प्रभावित करता है। आदिवासी समुदाय अपनी परंपराओं को सहेजकर आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने समाहरणालय कर्मियों के प्रकृति और संस्कृति से जुड़े रहने की सराहना की।

कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त ने स्वयं मांदर बजाकर अपनी खुशी जाहिर की, जिससे पूरा सभागार उत्साह से गूंज उठा। उन्होंने कहा कि करम पर्व से हमें प्रकृति संरक्षण, परंपराओं को बचाने और आपसी प्रेम एवं सौहार्द के साथ रहने की सीख मिलती है।

समारोह में उप विकास आयुक्त संजय भगत, सदर अनुमंडल पदाधिकारी कुमार रजत, प्रशिक्षु आईएएस आस्था शरण, रांची नगर निगम के अपर प्रशासक संजय कुमार, आईटीडीए की परियोजना निदेशक मनीषा तिर्की, जिला परिवहन पदाधिकारी अखिलेश कुमार, नजारत उप समाहर्ता डॉ. सुदेश कुमार समेत समाहरणालय के सभी कर्मी उपस्थित थे।

राजस्व संग्रहण अब निगम स्तर से, हर वार्ड में चिन्हित होंगे 500 बड़े बकाएदार

रांची : राजस्व संग्रहण से संबंधित एजेंसी का कार्यकाल समाप्त होने के बाद अब रांची नगर निगम स्तर से राजस्व वसूली की जाएगी। इसे लेकर 18 सितंबर को नगर आयुक्त सुशांत गौरव की अध्यक्षता में राजस्व शाखा की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में आगामी राजस्व संग्रहण की कार्यप्रणाली, वार्डवार लक्ष्य, बकाया वसूली और निगम के आंतरिक राजस्व को बढ़ाने की तैयारियों की समीक्षा की गई।

नगर आयुक्त ने कर संग्रहकताओं, राजस्व निरीक्षकों और नगर प्रबंधकों को अपने-अपने क्षेत्रों के लिए स्पष्ट एवं लक्ष्य आधारित कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया। इसमें बकाया होल्डिंग टैक्स की वसूली, नए भवनों एवं संरचनाओं का असेसमेंट, री-असेसमेंट और ट्रेड लाइसेंस से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देने को कहा गया। प्रत्येक वार्ड में उपलब्ध राजस्व संभावनाओं का आकलन कर निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

बैठक में नगर आयुक्त ने प्रत्येक माह प्रत्येक वार्ड के शीर्ष 500 बकायेदारों को चिन्हित कर उनसे बकाया कर की वसूली सुनिश्चित करने को कहा। बड़े बकायेदारों पर विशेष ध्यान देते हुए लक्ष्य आधारित कार्रवाई करने और राजस्व संग्रहण में किसी भी तरह की शिथिलता नहीं बरतने का निर्देश दिया गया।

अक्टूबर से वार्ड स्तर पर लगेंगे राजस्व शिविर

नगर आयुक्त ने अक्टूबर माह से प्रत्येक वार्ड में राजस्व संग्रहण शिविर आयोजित करने का निर्देश दिया, ताकि नागरिकों को स्थानीय स्तर पर कर भुगतान की सुविधा मिल सके। साथ ही डिजिटल माध्यम से कर भुगतान को बढ़ावा देने और नागरिकों को ऑनलाइन भुगतान के लिए प्रोत्साहित करने को कहा गया।

सरकारी भूमि पर ट्रेड लाइसेंस की होगी जांच

सरकारी भूमि पर संचालित व्यावसायिक गतिविधियों से संबंधित ट्रेड लाइसेंस की भी समीक्षा करने का निर्देश दिया गया। ऐसे प्रतिष्ठानों के लाइसेंस की नियमानुसार जांच कर नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कार्रवाई करने तथा आवश्यकतानुसार ट्रेड लाइसेंस निरस्त करने की प्रक्रिया सुनिश्चित करने को कहा गया।

निगम की दुकानों से किराया वसूली पर भी जोर

नगर निगम की दुकानों से बकाया किराए की वसूली के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया गया। निगम स्वामित्व वाली दुकानों के किराए का अद्यतन विवरण तैयार कर संबंधित बकायेदारों से नियमानुसार वसूली सुनिश्चित करने को कहा गया।

मां से मिलने अस्पताल पहुंचे मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य की ली जानकारी

संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शनिवार को अपनी मां रूपी सोरेन से मिलने अस्पताल पहुंचे। रूपी सोरेन रांची के हिल व्यू अस्पताल में भर्ती हैं। सीएम ने अस्पताल में डॉक्टरों और प्रबंधन से उनकी तबीयत की जानकारी ली।अस्पताल पहुंचने के बाद सुरक्षा व्यवस्था भी बढ़ा दी गई। अस्पताल परिसर में अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं।

बताया जा रहा है कि शुक्रवार को अचानक तबीयत खराब होने के बाद रूपी सोरेन को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें सांस लेने में परेशानी हुई थी। फिलहाल उनकी स्थिति सामान्य बताई जा रही है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मां रूपी सोरेन को सांस लेने में तकलीफ के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मां रूपी सोरेन की शुक्रवार को एक बार फिर तबीयत बिगड़ गई। उन्हें सांस लेने में तकलीफ होने लगी। रूपी सोरेन को तुरंत बरियातू स्थित हिलव्यू हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में भर्ती कराया गया है। अस्पताल के संचालक एवं हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ। नितेश प्रिया ने उनके अस्पताल में भर्ती होने की पुष्टि की है। चिकित्सकों की टीम उनकी लगातार निगरानी कर रही है।

जानकारी के अनुसार, रूपी सोरेन को सांस लेने में तकलीफ की शिकायत के बाद अस्पताल लाया गया। बताया गया कि वह कुछ ही दिन पहले हैदराबाद से इलाज कराकर रांची लौटी थीं।

हैदराबाद में करीब एक सप्ताह तक उनका इलाज चला था। स्वास्थ्य में सुधार के बाद वह परिवार के साथ रांची वापस आई थीं।

बताया जा रहा है कि गुरुवार देर शाम उनकी तबीयत दोबारा बिगड़ने पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी अस्पताल पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉक्टरों की टीम के संपर्क में हैं और अपनी मां के स्वास्थ्य की जानकारी लगातार ले रहे हैं।

इससे पहले राज्य सरकार में मंत्री रहे सुदिव्य कुमार सोनू के निधन के बाद मुख्यमंत्री अपनी मां को लेकर हैदराबाद गए थे। वहां करीब एक सप्ताह तक इलाज चलने के बाद उनकी स्थिति में सुधार बताया गया था। इसके बाद मुख्यमंत्री समेत पूरा परिवार रांची लौट आया था।

गुरुवार को दिवंगत सुदिव्य कुमार सोनू के श्राद्धकर्म से लौटने के बाद रूपी सोरेन की तबीयत फिर बिगड़ गई। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल अस्पताल की ओर से उनकी स्वास्थ्य स्थिति को लेकर कोई विस्तृत मेडिकल बुलेटिन जारी नहीं किया गया है। चिकित्सकों की टीम उनके स्वास्थ्य पर नजर बनाए हुए है।

पुलिस टीम ने अपहृत तिलक यादव को किया बरामद

संवाददाता

चतरा : जिला मुख्यालय के शहीद विनय भारती पार्क के समीप से फिरौती के लिए 13 सितंबर को अगवा किए गये ऑटो चालक तिलक यादव को अंततः चतरा पुलिस ने पड़ोसी राज्य बिहार से सकुशल मुक्त करा लिया। इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पीड़ित तिलक यादव के लापता होने की शिकायत उसके भाई ने 16 सितंबर को सदर थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस ने तकनीकी प्रकोष्ठ की मदद से यादव के मोबाइल फोन के आधार पर यह पता पता लगाया कि वह कहां है और फिर उसे मुक्त कराया।चतरा के पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी ने शुक्रवार को आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि गुरुवार की रात बिहार के गया जिले के धनगाई थाना क्षेत्र में इटवा गांव के पास चैलिखर नदी के किनारे घने जंगल में स्थित एक सुनसान मकान से यादव (32 वर्ष) को मुक्त कराया गया। उन्होंने बताया अपहरण कांड में कुल पांच लोग शामिल थे। पुलिस अधीक्षक के अनुसार पूछताछ के दौरान गिरफ्तार आरोपियों ने पुलिस को बताया कि उन्हें लगा था कि यादव काफी संपन्न है, इसलिए उन्होंने फिरौती के लिए उसका अपहरण करने की साजिश रची।पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जिले के इटखोरी थाना क्षेत्र के महुदा गांव निवासी कैलाश डांगी (47 वर्ष) और बिहार के गयाजी जिले के धनगाई थाना क्षेत्र के पटसुका गांव निवासी मनोज कुमार (23 वर्ष) के रूप में हुई है।वहीं चतरा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) सनी वर्धन ने बताया कि मामले में फरार तीन अन्य आरोपियों को पकड़ने के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस के अनुसार, मनोज बिहार में शराब तस्करी के एक मामले में पहले जेल जा चुका है, जबकि कैलाश भी आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहा है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच जारी है।

अंतरजिला बाइक चोर गिरोह का खुलासा 19 चोरी की बाइक के साथ 8 गिरफ्तार

संवाददाता

खूंटी : पुलिस ने अंतरजिला मोटरसाइकिल चोरी करने वाले एक संगठित गिरोह का खुलासा करते हुए 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की 19 मोटरसाइकिल, एक महिंद्रा बोलेरो पिकअप वैन, दो मास्टर चाबी और आठ मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, 18 सितंबर 2026 को पुलिस अधीक्षक, खूंटी को गुप्त सूचना मिली थी कि सायको थाना क्षेत्र में अंतरजिला मोटरसाइकिल चोरी करने वाले गिरोह के कुछ सदस्य चोरी की बाइक पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर उनकी खरीद-बिक्री के लिए एकत्र हुए हैं। सूचना के सत्यापन और कार्रवाई के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी खूंटी मंगल सिंह जामुदा के नेतृत्व में विशेष छापामारी टीम गठित की गई। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सायको और अड़की थाना क्षेत्र में छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने गिरोह के कुल आठ सदस्यों को

गिरफ्तार किया। पुलिस का कहना है कि गिरोह चोरी की मोटरसाइकिलों में फर्जी नंबर प्लेट लगाकर उन्हें दूसरे स्थानों पर बेचने का काम करता था।

गिरफ्तार आरोपियों में गुरूदयाल मुंडा उर्फ पनसउ मुंडा, इसरायल पूर्ति, मनमसीह पूर्ति उर्फ डेरो, मसीह मुंडा, मोहन लोहार, एतवा मुंडा, समराय होरो और जयराम मुंडा उर्फ जावरा शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपियों में खूंटी के अड़की क्षेत्र के साथ-साथ सरायकेला-खरसावां जिले के कुचाई थाना क्षेत्र के रहने वाले आरोपी भी शामिल हैं।

पुलिस ने इस मामले में सायको थाना कांड संख्या 15/26, दिनांक 18 सितंबर 2026 दर्ज किया है। मामले में इठर-2023 की विभिन्न धाराओं के साथ मोटर वाहन अधिनियम की धाराएं लगाई गई हैं। पुलिस द्वारा मामले की आगे की जांच की जा रही है। छापामारी टीम में एसडीपीओ मंगल सिंह जामुदा, खूंटी थाना प्रभारी अशोक कुमार सिंह, सायको थाना प्रभारी प्रभात रंजन पांडेय, अड़की थाना प्रभारी प्रवीण कुमार तिवारी, मारंगहादा थाना प्रभारी जुगेश सिंह, कुचाई थाना प्रभारी रविंद्र मुंडा समेत पुलिस पदाधिकारी और जवान शामिल थे।

लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल रहा है गाड़ियों से निकलने वाला धूल

संवाददाता

मुरी : मुरी- गोला रोड के सिंगपुर चौक के आसपास रहने वाले लोग गाड़ियों के कारण उड़ने वाली धुल की चपेट में हैं। इस रोड में फोर लेन सड़क निर्माण कार्य लगभग दो साल पहले शुरू किया गया था। जगह- जगह रोड को इस तरह जेसीबी से खोद दिया है कि गाड़ियां हिचकोला लेते हुए पार होती है ऐसे मे कई गंभीर हादसे भी हुए है। पानी बरसने से रास्ता कीचड़युक्त हो जाता है । गड्ढे का पानी खतरनाक रुप ले लेता है। सूखने पर यही कीचड़ धूल बनकर आसपास के घरों में चला जाता है। इसी रोड पर मातृछाया और देवी नेत्रालय अस्पताल है जो प्रदूषण के चपेट में हैं। इस क्षेत्र में तीन- चार स्कूल भी है। धूल के कारण स्कूली बच्चों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। सड़क निर्माण में जुड़े लोगों को इससे कोई मतलब भी नहीं है। हमारे यहाँ के प्रशासन भी मौन रहती हैं।

डीएवी पब्लिक स्कूल में रक्तदान शिविर, 14 यूनिट रक्त हुआ संग्रह

संवाददाता

खूंटी : डीएवी पब्लिक स्कूल, खूंटी में रक्त अधिकोष, सदर अस्पताल, खूंटी के तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं, गैर-शिक्षकेतर कर्मचारियों एवं अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। इस दौरान कुल 14 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सिविल सर्जन डॉ। ललित रंजन पाठक, उपाधीक्षक डॉ। आनंद किशोर उरांव, डॉ। सुषमा कुमारी एवं विद्यालय के प्राचार्य मनोजेश्वर कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। सिविल सर्जन ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रक्तदान एक महान सामाजिक एवं मानवीय कार्य है। रक्तदान से जरूरतमंद मरीजों के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण सहयोग मिलता है।

शिविर में शिक्षक विकास रंजन, पवन कुमार सिंह, उमाकांत नंदा, एसआरआर। मिश्रा, अंशु सिंह, राकेश कुमार, सुमिता कुमारी एवं देविता सिंह समेत अन्य शिक्षकों ने रक्तदान किया। विद्यालय के अन्य कर्मचारियों और अभिभावकों ने भी इस पुनीत कार्य में योगदान दिया। विद्यालय के प्राचार्य मनोजेश्वर कुमार ने सदर अस्पताल की टीम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रक्तदान मानव सेवा का उत्कृष्ट माध्यम है। ऐसे शिविर समाज में जागरूकता बढ़ाने के साथ जरूरतमंदों की सहायता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिविर का आयोजन चिकित्सकों, अस्पताल कर्मी निशांत झा एवं नर्सों की निगरानी में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संयोजन विद्यालय के खेल एवं शारीरिक शिक्षक मृत्युंजय कुमार सिंह ने किया। विद्यालय परिवार ने सभी रक्तदाताओं, चिकित्सकों, अस्पताल कर्मियों एवं अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी जनकल्याणकारी कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता का संकल्प लिया।

10 साल से अधिक सेवा करने वाले नौ संविदाकर्मियों को नियमित करने का हाईकोर्ट ने दिया आदेश

रांची: झारखंड हाईकोर्ट ने स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के इंजीनियरिंग सेल में वर्षों से संविदा पर कार्यरत नौ कर्मचारियों को राहत दी है। हाइकोर्ट के जस्टिस दीपक रोशन की अदालत ने उनकी सेवाओं को नियमित करने का आदेश देते हुए संबंधित विभाग को उन्हें सेवा में पुनर्बहाल करने का निर्देश दिया है।

अदालत ने 14 अगस्त 2024 को उनकी नियमितीकरण की मांग खारिज करने वाले विभागीय आदेशों को भी रद्द कर दिया। याचिकाकताओं की ओर से अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने पक्ष रखा।

याचिकाकर्ताओं में धरो उरांव, अरुण कुमार साहू, गौतम प्रसाद सिंह, आशीष रंजन, प्रदीप बड़ा, विष्णु देव शाह, अरविंद कुमार सिंह, अजय कुमार रजक और संतोष कुमार राम शामिल हैं। ये क्लर्क, ड्राइवर, टाइपिस्ट, ऑफिस असिस्टेंट और पंप ऑपरेटर जैसे पदों पर कार्यरत थे।

अदालत ने स्पष्ट किया कि याचिकाकर्ताओं ने 10 वर्ष से अधिक समय तक बिना सेवा में किसी अंतर के काम किया है और रिकॉर्ड से यह भी सामने आया कि वे स्वीकृत पदों पर कार्यरत थे। ऐसे में केवल संविदा कर्मचारी होने का आधार बनाकर उनकी सेवा समाप्त करना और नियमितीकरण से इनकार करना उचित नहीं है। अदालत ने 14 अगस्त 2024 के नियमितीकरण संबंधी आदेशों को रद्द करते हुए भवन निर्माण विभाग को नौ याचिकाकताओं को सेवा में बहाल करने और औपचारिक नियमितीकरण आदेश जारी करने का निर्देश दिया। यह प्रक्रिया आदेश की प्रति प्राप्त होने की तारीख से छह सप्ताह के भीतर पूरी करनी होगी। 2004-05 से कर रहे थे कामः याचिकाकर्ताओं की नियुक्तियां वर्ष 2004 से 2008 के बीच हुई थीं। सभी को स्वास्थ्य विभाग के इंजीनियरिंग सेल में संविदा के आधार पर सपोर्ट स्टाफ के रूप में नियुक्त किया गया था। विभागीय समिति की मंजूरी से उनकी संविदा अवधि समय-समय पर बढ़ाई जाती रही। जनवरी 2017 तक उन्हें मानदेय और भत्ते का भुगतान भी किया गया। इसके बाद उन्हें काम करने की अनुमति नहीं दी गयी। हालांकि उनकी सेवा समाप्ति के संबंध में कोई औपचारिक आदेश या कारण नहीं बताया गया।

पूर्व मंत्री विमला प्रधान के आवास पहुंचे सीएम हेमंत सोरेन, दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

रांची: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड की पूर्व मंत्री दिवंगत विमला प्रधान को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री शनिवार को लोअर करमटोली, रोड नंबर-2 स्थित उनके आवास पहुंचे और पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित किया।

मुख्यमंत्री ने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदनाएं प्रकट कीं और उन्हें ढाढस बंधाया। उन्होंने मरांग बुरु से प्रार्थना की कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और परिजनों, समर्थकों व प्रशंसकों को इस असीम दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि पूर्व मंत्री विमला प्रधान के निधन का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। सार्वजनिक जीवन में उनका योगदान और जनता के प्रति समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने सिमडेगा सहित पूरे झारखंड के विकास के लिए लंबे समय तक सक्रिय भूमिका निभाई।

हेमंत सोरेन ने कहा कि विमला प्रधान का निधन झारखंड की राजनीति के लिए अपूरणीय क्षति है। वह समाज के हर वर्ग और समुदाय के कल्याण के लिए हमेशा तत्पर रहने वाली सजग और कर्मठ राजनेता थीं। गौरतलब है कि पूर्व मंत्री विमला प्रधान पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थीं। रांची के एक निजी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था, जहां विगत शुक्रवार रात उन्होंने अंतिम सांस ली।

बगैर पुनर्वास के आशियाना उजाड़ना दुर्भाग्यपूर्ण : राजेश सिंह

मेट्रो रेज

रांची: अखिल भारतीय सवर्ण मोर्चा के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष राजेश सिंह ने एचईसी बाईपास रोड क्षेत्र में झारखंड सरकार द्वारा झुग्गी-झोपड़ियां को तोड़कर लोगों को बेघर किए जाने के मामले को अति दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने चिंता जाहिर करते हुए बेघर हुए परिवारों के पुनर्वास और बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। कहा कि तकरीबन 30 से 50 वर्षों से बसे परिवारों की गृहस्थी मलबे में बदल गई। कई परिवारों के महिलाएं अपने छोटे-छोटे रोते बिलखते बच्चों के साथ को इस बरसात के मौसम में खुले आसमान के नीचे सड़क पर विवश और लाचार अवस्था छोड़ दिया जाना, (जिसमे महिलाओं के साथ छोटे छोटे रोते बिलखते बच्चे भी थे) क्या यही मानवता है। राजेश सिंह ने जब पीड़ित परिवारों को विवश और लाचार देखा तो अपने निजी खर्च से वैकल्पिक टैंट तंबू की व्यवस्था के साथ, कुछ खानेझ पीने की सामग्री की व्यवस्था करवाई। तथा अपने मार्गदर्शन में मंशा देवी के द्वारा 17 सितंबर को हाई कोर्ट में रिट दायर याचिका दायर करवाई। जिस पर जस्टिस आनंद सेन के द्वारा 18 सितंबर को सुनवाई की गई। सुनवाई करते हुए न्यायालय ने 31 दिसंबर 2026 तक रोक लगा दी है। तथा पीड़ित परिवारों को निश्चित अवधि तक स्वयं घर खाली करने का निर्देश दिया गया है। इस पर राजेश सिंह का कहना है कि पीड़ित परिवारों में कई लोग तकरीबन 30 से 50 वर्षों से वहां रह रहे थे। वे गरीब परिवार अपने रोजी रोटी के लिए संघर्ष करते रहे, और जमीन खरीद कर कहीं और घर बनाने की स्थिति में नहीं थे। ऐसे में झारखंड सरकार द्वारा बगैर पुनर्वास के उन्हें बेघर करना किसी भी मामले में न्याय संगत नहीं है। राजेश सिंह ने कहा कि कार्रवाई से पहले उन पीड़ित परिवारों को वैकल्पिक आवास, भोजन, शौचालय तथा पेयजल की व्यवस्था की जानी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि झारखंड हाई कोर्ट द्वारा कार्रवाई पर रोक लगाई जाने से आगे की कार्रवाई फिलहाल रुकी है, लेकिन जिनके घर पहले ही टूट चुके हैं, उनके लिए तत्काल राहत और पुनर्वास की जरूरत है। राजेश सिंह के साथ इस मानवीय शुकार्य में मंशा देवी, वार्ड 41 के पार्षद कृष्णा महतो, प्रभु नाथ सिंह, मनीष कुमार सिंह, रानी सिंह, नीलम सिंह, सुरेश पासवान, जग्गू मुंडा तथा अन्य का सराहनीय योगदान रहा।

आजाद बस्ती में बुलडोजर कार्रवाई का विरोध, निगम की टीम को लौटना पड़ा

गुलाम शाहिद

रांचीः आजाद बस्ती में कथित अवैध बूचड़खाने के खिलाफ कार्रवाई करने पहुंची रांची नगर निगम की टीम को शनिवार को स्थानीय लोगों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। निगम की टीम बुलडोजर लेकर पहुंची थी, लेकिन लोगों के विरोध के बाद कार्रवाई नहीं हो सकी और निगम के बुलडोजरों को वापस लौटना पड़ा।

स्थानीय लोगों ने वार्ड पार्षद संजू के नेतृत्व में कार्रवाई का विरोध किया। प्रदर्शनकारी बुलडोजर के सामने खड़े हो गये और कार्रवाई रोकने की मांग की। काफी देर तक चले विरोध के कारण निगम की टीम को मौके से वापस लौटना पड़ा।इधर स्थानीय पार्षद ने नगर निगम को पत्र लिखकर मांग किया है कि इन्हें फिर से कैसे बसाया जायेगा।

नगर निगम की ओर से संबंधित स्थल को अवैध बूचड़खाना बताया जा रहा है। वहीं, स्थानीय लोगों और प्रतिनिधियों का कहना है कि यह निगम का स्टॉल क्षेत्र है। उनका दावा है कि वर्ष 2005 के बाद से यहां कोई ऑक्शन नहीं हुआ है और क्षेत्र को गलत तरीके से बूचड़खाना बताया जा रहा है।

वार्ड पार्षद ने आरोप लगाया कि कार्रवाई से पहले उन्हें किसी प्रकार की पूर्व सूचना या नोटिस नहीं दिया गया। अचानक बुलडोजर लेकर पहुंचने से स्थानीय दुकानदारों में नाराजगी फैल गयी। स्थानीय निवासियों का कहना है कि क्षेत्र में कई लोग सब्जी और फल बेचकर अपनी रोजी-रोटी चलाते हैं। उनका कहना है कि यदि दुकानें हटायी जाती हैं, तो पहले दुकानदारों के पुनर्वास की व्यवस्था की जानी चाहिए। बिना वैकल्पिक व्यवस्था के दुकानों को हटाना उनके साथ अन्याय होगा।

विरोध कर रहे लोगों ने यह भी सवाल उठाया कि यदि नगर निगम को अतिक्रमण या अवैध गतिविधि के खिलाफ कार्रवाई करनी थी, तो प्रभावित दुकानदारों को पहले सूचना क्यों नहीं दी गयी। राजनीतिक मंशा का भी लगाया आरोपः स्थानीय लोगों में से कुछ ने आरोप लगाया कि कार्रवाई के पीछे प्रशासनिक जरूरत के बजाय राजनीतिक मंशा भी हो सकती है। हालांकि, इस आरोप की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। निगम की ओर से कार्रवाई के आधार और स्थानीय लोगों द्वारा उठाये गये सवालों पर विस्तृत पक्ष सामने आना बाकी है। स्थानीय लोगों ने मांग की कि किसी भी कार्रवाई से पहले स्थल की वास्तविक स्थिति, स्टॉल की वैधता और दुकानदारों के अधिकारों की जांच की जाये तथा प्रभावित लोगों के पुनर्वास की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये।मौके पर वार्ड 22 के पार्षद मोहम्मद असलम भी मौजूद रहे।

टाटा ट्रस्ट्स ने टाटा संस की सूचीबद्धता की बजाय विकल्प तलाशने पर दिया जोर

मेट्रो रेज

रांची: टाटा संस को शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने के मुद्दे पर टाटा ट्रस्ट्स ने अपना रुख स्पष्ट करते हुए अन्य विकल्पों पर विचार करने की मांग की है। 17 सितंबर की बोर्ड बैठक में ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल एन। टाटा ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक के 11 सितंबर के पत्र के बाद केवल सूचीबद्धता को ही विकल्प नहीं माना जाना चाहिए, बल्कि सभी उपलब्ध विकल्पों का आकलन किया जाना चाहिए। ट्रस्ट्स के अनुसार, मार्च 2024 में टाटा संस बोर्ड ने कंपनी को गैर-सूचीबद्ध रखने का सर्वसम्मत फैसला किया था और 2025 में सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट तथा सर रतन टाटा ट्रस्ट ने भी इस रुख को दोहराया। नोएल एन। टाटा ने कहा कि टाटा ट्रस्ट्स के पास टाटा संस की करीब 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है और मौजूदा संरचना समूह के दीर्घकालिक सार्वजनिक हित से जुड़ी है।

Government of Jharkhand
Department of Mines & Geology
Directorate of Geology
Engineer's Hostel No-2, 2nd Floor, Dhurwa, Ranchi

NIT No- 01/2026-27

S. No.	Particulars	Information
1.	Name of work	Supply and Installation of Transmitted and Reflected Light Research Microscope with Software Attached Camera.
2.	Contact Person and Address for Communication	Director, Geology; Directorate of Geology, Department of Mines & Geology, Government of Jharkhand; Engineers' Hostel No-2, 2nd Floor, Dhurwa, Ranchi-834004; E-mail ID: dir-geology@jharkhandmail.gov.in
3.	Cost of NIT	NIL
4.	Validity of the Rate/Price Offered by the Bidders	180 days
5.	Tender publication date	18.09.2026
6.	Last date of submission of Bids/NIT	05.10.2026 till 01:00 PM
7.	Bid/NIT opening date	05.10.2026 up to 03:30 PM.
8.	Period of issue of NIT	18.09.2026 to 05.10.2026
9.	Mode of Bid submission	The bid must be submitted through the Speed post/Registered post in a sealed envelope clearly mentioning the NIT reference number and the subject matter on the sealed envelope.
10.	Address of Bid submission	Directorate of Geology, Engineers' Hostel No-2, 2nd Floor, Dhurwa, Ranchi, Jharkhand, PIN-834004

Sd/-
Director, Geology
Directorate of Geology,
Department of Mines & Geology,
Government of Jharkhand

PR 390075 Mines and Geology(26-27).D

रांची के सेक्टर 2 से 14 वर्षीय किशोर रियांश संदिग्ध परिस्थितियों में लापता

जेवर और कैश लेकर घर से निकला, तलाश में जुटी पुलिस

रांची/मेट्रो रेज : जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के सेक्टर 2 (क्वार्टर नंबर इ/118) से 14 वर्षीय किशोर रियांश गिरी उर्फ डुग्गु संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया है। वह राजीव गिरी का पुत्र है। परिजनों के अनुसार, वह घर से 25 हजार रुपये नकद और कुछ सोने-चांदी के जेवर लेकर निकला है। परिजनों ने बताया कि लापता होने के वक्त उसने हरे रंग का ट्राउजर ,नीले रंग की टी-शर्ट और चप्पल पहनी हुई थी। काफी खोजबीन के बाद भी जब उसका कुछ पता नहीं चला, तो परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। परिजनों की अपील: अगर किसी भी व्यक्ति को इस किशोर के बारे में कोई भी जानकारी मिले, तो वे तुरंत नीचे दिए गए मोबाइल नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।
मोबाइल नंबर: 7870933384

खीस्त राजा विद्यालय में खेलो झारखंड प्रतियोगिता शुरू

-अंडर-17 बालक-बालिका वर्ग में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, विभिन्न स्पर्धाओं में लिया हिस्सा

संजय कुमार यादव

चंदवा: खीस्त राजा विद्यालय परिसर में शुक्रवार को प्रखंड स्तरीय खेलो झारखंड प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन बीआरपी प्रतीक सिन्हा समेत विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। प्रतियोगिता में प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों से सैकड़ों छात्र-छात्राएं हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता के तहत अंडर-17 बालक एवं बालिका वर्ग के लिए एथलेटिक्स, दौड़, कबड्डी, बैडमिंटन समेत कई खेल स्पधाएँ आयोजित की जा रही हैं। प्रतियोगिता में शामिल खिलाड़ियों में खासा उत्साह देखा गया। खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पधाओं में अपनी खेल प्रतिभा और दमखम का प्रदर्शन किया। आयोजकों ने बताया कि खेलो झारखंड प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों को खेल के प्रति प्रोत्साहित करना और उनकी प्रतिभा को बेहतर मंच उपलब्ध कराना है। प्रतियोगिता के दौरान विद्यालय परिसर में खेलप्रेमियों और प्रतिभागियों की भीड़ रही।

मर्डर केस का सनसनीखेज खुलासा

झारखंड में हत्या का केस, गुजरात में जिंदा मिली महिला

मेट्रो रेज

रांची : झारखंड से एक बेहद ही सनसनीखेज मामला सामने आया है। मामला खलारी थाना क्षेत्र का है। यहां एक महिला अचानक गायब हो गयी। इसके बाद महिला के पिता ने ससुराल वालों पर बेटी की हत्या का आरोप लगाया और उनके खिलाफ केस दर्ज करवाया, लेकिन जांच के क्रम में वह महिला जिंदा सकुशल गुजरात से बरामद की गयी। महिला की पहचान खलारी थाना क्षेत्र अंतर्गत चुरी दक्षिणी बस्ती निवासी सामु महतो की 36 वर्षीय पत्नी विनी देवी उर्फ वीणा देवी के रूप में हुई है।

ससुराल वाले करते थे प्रताड़ितः इस संबंध वीणा देवी ने बताया कि सामु महतो से करीब 16 साल पहले उनकी शादी हुई थी। उनके दो बच्चे भी हैं। महिला ने कहा कि वह अपने ससुराल वालों की प्रताड़ना से तंग आ गयी थी। और इस प्रताड़ना से मुक्त होने के लिए वह घर छोड़ गुजरात भाग गयी थी। इसकी जानकारी न तो महिला के ससुराल में किसी को थी, न ही उसके मायके वालों को इसकी जानकारी थी। वीणा देवी ने यह भी साफ किया कि उसके घर से भागने की वजह कोई अवैध संबंध या पुरुष मित्र नहीं था।

पिता ने दर्ज कराया बेटी की हत्या का केस : बेटी के अचानक गायब होने पर वीणा देवी के पिता ने बेटी की हत्या कर शव छुपाने की आशंका जताते हुए पुलिस में ससुराल वालों के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई। शिकायत के आधार पर खलारी थाना पुलिस ने महिला के पति सामु महतो, अनिकेत यादव समेत अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

गुजरात में नौकरी खोज रही थी महिला : जांच के दौरान महिला के फोन नंबर की सहायता से वीणा देवी का लोकेशन गुजरात के सूरत में मिला। इसके बाद झारखंड पुलिस महिला की तलाश में गुजरात पहुंची, जहां गुजरात पुलिस के सहयोग से महिला की तलाश शुरू की गयी। इसी बीच पता चला कि वीणा देवी ने नौकरी की तलाश में एक कंपनी में कॉल किया था। पुलिस ने उस कंपनी के साथ मिलकर महिला के लिए जाल बिछाया और उसे मिलने के लिए बुलाया। महिला के वहां पहुंचते ही पुलिस ने उसे धर-दबोचा और थाना ले आई। झारखंड पर्यटन

पूछताछ के दौरान महिला ने बताया कि वह ससुराल वालों के मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना से तंग आकर घर से भाग गयी थी। वह बीते 20 दिनों से सूरत में थी और दिहाड़ी मजदूरी कर किसी तरह अपना गुजारा कर रही थी। साथ ही अपने लिए किसी नौकरी की भी तलाश कर रही थी।

कार्यालय : जिला मत्स्य पदाधिकारी, रामगढ़

खुला डाक द्वारा बन्दोबस्ती सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि विभागीय परिपत्र संख्या 114, दिनांक 18.01.1992 के आलोक में गोला, पतरातू एवं माण्डू अंचल अवस्थित निम्नांकित सूची के राजस्व जलकरों की अल्पकालीन बन्दोबस्ती दिनांक 30.09.2026, दिनांक 07.10.2026 एवं 14.10.2026 को जिला मत्स्य कार्यालय, रामगढ़ में 12:30 बजे अपराह्न में की जाएगी।

1. अल्पकालीन बन्दोवस्ती तीन वर्षों तक के लिए 2026 – 27 से 2028–29 तक के लिए होगी।
2. निर्धारित वार्षिक सुरक्षित जमा राशि से कम राशि पर बन्दोवस्ती नहीं की जाएगी।
3. डाक में भाग लेने वाले इच्छुक व्यक्ति को जमानत राशि के रूप में वार्षिक सुरक्षित जमा राशि का 10 प्रतिशत राशि जमा करना होगा।
4. उच्चतम डाक वक्ता की जमानत राशि को राजस्व राशि में समायोजित की जाएगी तथा अन्य डाक वक्ता की जमानत राशि वापस कर दी जाएगी।
5. डाक की राशि जमा नहीं करने पर जमानत की राशि जब्त कर ली जाएगी।
6. बन्दोबस्तदार को राजस्व राशि जमा करने के एक माह के अंदर एकरारनामा करना होगा। एकरारनामा के समय एक पासपोर्ट आकार का फोटो जमा करना होगा। सम्पादित एकरारनामा का निबंधन बन्दोबस्तदार को स्वयं के खर्च पर करना होगा।
7. एकरारनामा नहीं करने की स्थिति में बन्दोवस्ती की स्वीकृति नहीं दी जाएगी तथा पुनः बन्दोबस्ती करने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।
8. किसी भी डाक / बन्दोबस्ती को रद्द करने या स्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षित है।
9. डाक वक्ता को पहचान के रूप में आधार की छायाप्रति एवं या पहचान पत्र प्रस्तुत करना होगा।
10. उक्त तिथि तक अगर समिति बन्दोवस्ती लेने के लिए तैयार हो जाती है, तो बन्दोबस्ती समिति के साथ की जायेगी।
11. जलकरों की सूची –

वर्ष 2026–27 में बन्दोबस्ती हेतु जलकरों की सूची।
अल्पकालीन बन्दोवस्ती अवधि 2026–27 से 2028–29 तक।

प्रखण्ड :– पतरातू

क्र0	जलकर का नाम	ग्राम	पंचायत	खाता नं0	प्लॉट नं0	रकबा	जलक्षेत्र (ए0 में)	सु0जमा निर्धारण राशि
1	पालु तालाब	पालु	पालु	67	325,352	1.64	1.00	8800

प्रखण्ड :– माण्डू

क्र0	जलकर का नाम	ग्राम	पंचायत	खाता नं0	प्लॉट नं0	रकबा	जलक्षेत्र (ए0 में)	सु0जमा निर्धारण राशि
1	मदवा आहर	भदवा	सोनडीहा	1042	–	0.80	0.50	1000

प्रखण्ड :– गोला

क्र0	जलकर का नाम	ग्राम	पंचायत	खाता नं0	प्लॉट नं0	रकबा	जलक्षेत्र (ए0 में)	सु0जमा निर्धारण राशि
1	जुबली बांध बंदा	बंदा	बंदा	–	487	1.10	0.50	1600
2	सुतरी तालाब	सुतरी	सुतरी	–	1394	0.80	0.40	1000
3	चांडी आहर	चांडी	चांडी	–	631	2.85	1.50	4000
4	मुरपा तालाब	मुरपा	हेसापोडा	–	476,477	0.39	0.20	800
5	हेसापोडा आहर	हेसापोडा	हेसापोडा	95	375	0.72	0.50	2400
6	तोयर तालाब	तोयर	तोयर	67	1006,1007	1.34	1.00	4000
7	कुसुमडीह आहर	कुसुमडीह	कुसुमडीह	–	126	1.60	1.00	2800
8	शिशिर पोखर	कुम्हरदगा	कुम्हरदगा	74	1597,1598	1.27	0.50	1600
9	खोखा आहर	खोखा	तोयर	35	733	1.20	0.75	800
10	फुलझरिया आहर	फुलझरिया	मगनपुर	61	608	7.11	1.50	1200
11	सुतरी तालाब 2	सुतरी	सुतरी	124	281	0.70	0.50	1600

विशेष जानकारी के लिए अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में सम्पर्क किया जा सकता है।

ह0/–
जिला मत्स्य पदाधिकारी,
रामगढ़

PR 390047 Fish (26-27)_D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

भारतवंशी चीतों की बढ़ती संख्या

दुर्लभ चीता परियोजना की सफलता अंततः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृढ़ संकल्प और आत्मविश्वास की देन है। मोदी देश ही नहीं दुनिया के ऐसे विरल सोच वाले नेता हैं, जो एक साथ अनेक विषयों पर सोचने के साथ क्रियान्वयन तो करते ही हैं, प्रकृति, पर्यावरण और वन्य जीव संरक्षण भी उनके सोच के दायरे में। देश में चीता पुनर्वास परियोजना उनकी इसी दृष्टि का एक सफल कीर्तिमान है। मध्यप्रदेश जिले के श्योपुर जिले में स्थित कूनो आभ्यारण्य की धरती पर अफ्रीका से लाए चीतों का पालन-पोषण चार साल पहले आरंभ हुआ था, जो अब एक बड़े भारतवंशी चीतों के कुल में बदल गया है। अफ्रीका से लाए चीतों के जीवित रहने की दर अनुमान से ज्यादा बेहतर रही। इसी का परिणाम है कि भारत में जन्म लेने वाले चीता शावकों का वंश लगातार बढ़ रहा है। कूनो में जन्मी मादा चीताएं अनेक बार मां बन चुकी हैं। इनसे जन्मे 19 शावक पूरी तरह स्वास्थ्य रहते हुए जंगली बाड़े में नटखट अठखेलियां करते हुए देखे जा सकते हैं। मानवीय निगरानी के बीच इनकी वृद्धि शत-प्रतिशत आंकी गई है। मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर 2022 को कूनो में नमीबियाई चीतों को छोड़ने के साथ इनके पुनर्वास की पहल हुई थी। वर्तमान में यहां चार मादाओं के 19 शावक उछलकूद मचाए हुए हैं।

भारत की धरती पर अब तक 49 चीतों का जन्म हो चुका है, जिनमें से 32 जीवित हैं। यानी कूनो में चीतों के जीवित रहने की दर 65.3 प्रतिशत है, जबकि इनके मूल निवास स्थल अफ्रीकी जंगलों में प्राकृतिक रूप से महज 5 से 10 प्रतिशत शावक ही व्यस्क होने का सुख भोग पाते हैं। यहां ऐसा इसलिए संभव हो पाया क्योंकि वनकर्मी अपने दायित्व का निर्वहन ईमानदारी से कर रहे हैं। दरअसल, कूनो का प्रबंधन बाहरी हस्तक्षेप से लगभग मुक्त है। इसीलिए यह वन प्रांत अफ्रीकी देशों से लाए गए चीतों के वंश के महाद्वीप में बदलता जा रहा है। यहां के वातावरण से अफ्रीका के वातावरण को भिन्न एवं प्रतिकूल माना जा रहा था, किंतु अब चीतों की संख्या में वृद्धि ने जता दिया है कि कूनो के जंगल का परिवेश इन चीतों के रहवास हेतु अनुकूलन रच रहा है। यह प्रकृति की ही देन हैं। प्रदेश के जंगलों में बाघ, तेंदुए और स्याहगोश तो पूर्व से ही हैं, अब बिल्ली प्रजाति का चीता भी यहां के आभ्यारण्यों में देखा जाने लगा है। प्रदेश के ही गांधी सागर आभ्यारण्य में भी चीते छोड़े गए हैं लेकिन यहां इनकी फिलहाल वंशवृद्धि शुरू नहीं हुई है। हालांकि चीता शावकों के जन्म को लेकर यह विडंबना देखने में आ रही है कि जो चीते बाड़े में जन्म लेते हैं, उनके जीवित रहने की दर तो उत्तम है, किंतु खुले जंगल में जन्मे ज्यादातर चीते जिंदा नहीं रह पा रहे हैं। कूनो में जन्मी मादा केजीपी-12 ने 11 अप्रैल 2026 को खुले जंगल में चार शावकों को जन्म देकर इतिहास रचा था। यह भारत में जन्मी किसी मादा द्वारा वन में प्राकृतिक प्रसव का पहला मामला था लेकिन एक महीने के भीतर 12 मई को चारों शावक मृत पाए गए। इसके बाद छह जून को इनकी मां का भी निधन हो गया। ये मौतें कैसे हुईं, यह रहस्य ही बना हुआ है। नमीबिया से लाए गए आठ चीतों को मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में प्रधानमंत्री ने छोड़ा था। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका से 12 चीते और लाकर छोड़े गए थे। नई धरती और जलवायु परिवर्तन के चलते इन चीतों को आरंभ में यहां के मौसम से तालमेल बिठाने में दिक्कतें आईं। नतीजतन छह वयस्क और यहीं पैदा हुए चार शावकों में से तीन की मौतें भी हुईं थीं, इस कारण परियोजना पर सवाल भी खड़े किए गए थे। दक्षिण अफ्रीका से लाकर बसाए गए 12 चीतों को 18 फरवरी 2024 को दो साल पूरे हो हुए थे, इस अवधि में इन चीतों की मृत्यु दर में कमी ने परियोजना की सफलता के प्रथम लक्ष्य को प्राप्त कर लिया था। इनकी जीवित रहने की दर शुरूआत में नमीबिया से लाए चीतों से बेहतर रही थी। दक्षिण अफ्रीका से आए 12 चीतों में से 33.3 प्रतिशत की मौत हुई, जबकि नमीबिया से लाए गए चीतों में से 37.5 प्रतिशत चीतों की मौत हुई। अफ्रीका से लाई गई तीन मादा चीताओं ने अब तक 12 शावकों को जन्म दिया, जो भारतीय परिवेश में पलते एवं बढ़ते चले गए। इन्होंने ही नए घर कूनो में आबादी बढ़ाने की शुरूआत की थी। नए आवास स्थलों में 50 फीसदी चीतों की मौत को सामान्य माना जाता है। एक समय था जब चीते की रफ्तार भारतीय वनों की शान हुआ करती थी लेकिन 1947 के आते-आते चीतों की आबादी पूरी तरह लुप्त हो गई। 1948 में अंतिम चीता छत्तीसगढ़ के सरगुजा में देखा गया था। जिसे मार गिराया गया था। चीता तेज रफ्तार का आश्चर्यजनक चमत्कार माना जाता है। अपनी विशिष्ट एवं लोचपूर्ण देयदृष्टि के लिए भी इस हिंसक वन्य जीव की अलग पहचान थी। शरीर में इसी चपलता के कारण यह जंगली प्राणियों में सबसे तेज दौड़ने वाला धावक है। बीती सदी में चीतों की संख्या एक लाख तक थी लेकिन अफ्रीका के खुले घास वाले जंगलों से लेकर भारत सहित लगभग सभी एशियाई देशों में पाया जाने वाला चीता पूरे एशियाई जंगलों में गिनती के रह गए हैं। राजा चीता (एसिनोनिक्स रेक्स) जिम्बाब्वे में मिलता है। अफ्रीका के जंगलों में भी गिने-चुने चीते रह गए हैं। तंजानिया के सेरेंगती राष्ट्रीय उद्यान और नमीबिया के जंगलों में गिने-चुने चीते हैं। प्रजनन के तमाम आधुनिक व वैज्ञानिक उपायों के बावजूद जंगल की इस फुतीर्ली नस्ल की संख्या बढ़ाई नहीं जा पा रही थी। यह प्रकृति के समक्ष वैज्ञानिक दंभ की नाकामी मानी जाने लगी थी। जूलॉजिकल सोसायटी आफ लंदन की रिपोर्ट को मानें तो दुनिया में 91 प्रतिशत चीते 1991 में ही समाप्त हो गए थे। एशिया में ईरान में केवल 50 चीते शेष हैं। अफ्रीकी देश केन्या के मासीमारा क्शेत्र को चीतों का गढ़ माना जाता था लेकिन अब इनकी संख्या गिनती की रह गई है। ऐसे में भारत में चीतों की वंशवृद्धि दुनिया के लिए खुशखबरी है। बीती सदी के पांचवें दशक तक चीते अमरीका के चिड़ियाघरों में भी थे। प्राणी विशेषज्ञों की अनेक कोशिशों के बाद इन चीतों ने 1956 में शिशुओं को जन्म भी दिया, परंतु किसी भी शिशु को बचाया नहीं जा सका। चीते द्वारा किसी चिड़ियाघर में जोड़ा बनाने की यह पहली घटना थी, जो नाकाम रही। जंगल के हिंसक जीवों का प्रजनन चिड़ियाघरों में आश्चर्यजनक ढंग से प्रभावित होता है इसलिए शेर, बाघ, तेंदुए व चीते चिड़ियाघरों में जोड़ा बनाने की इच्छा नहीं रखते हैं। भारत में चीतों की अंतिम पीढ़ी के कुछ सदस्य बस्तर-सरगुजा के घने जंगलों में थे, जिन्हें 1947 में देखा गया था। प्रदेश अथवा भारत सरकार इनके संरक्षण के जरूरी उपाय करने हेतु हरकत में आती, इससे पहले ही चीतों के इन अंतिम वंशजों को भी शिकार के शौकीन राजा-महाराजाओं ने मार गिराया और भारतीय चीतों की नस्ल पर पूर्ण विराम लग गया था। कूनो के बाद अब मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले के गांधीसागर अभ्यारण्य में चीते छोड़े गए हैं। यहां भी कूनो की तरह इनकी वंशवृद्धि की उम्मीद है। हमारे देश के राजा-महाराजाओं को घोड़ों और कुत्तों की तरह चीते पालने का भी शौक था। चीता शावकों को पालकर इनसे जंगल में शिकार कराया जाता था। राजा लोग जब जंगल में आखेट के लिए जाते थे, तो प्रशिक्षित चीतों को बैलगाड़ी में बिठाकर साथ ले जाते थे। इनकी आंखों पर पट्टी बांध दी जाती थी, जिससे यह किसी मामूली वन्य जीव पर न झपटे। जब शिकार राजाओं की दृष्टि के दायरे में आ जाता था, तो चीते की आंखों की पट्टी खोलकर शिकार की दिशा में हाथ से इशारा कर दिया जाता था। पलक झपकते शिकार चीते के जबड़े में होता।

नैनीताल क्यों भूल रहा 146 वर्ष पुरानी प्राकृतिक आपदा ?

वैज्ञानिकों का मानना था कि कुछ शव पहाड़ी के नुकीले पत्थरों और मलबे के ढेरों में दबे हो सकते हैं। हादसे में कई लोग बाल-बाल बचे। बचाव कार्यों के दौरान मजिस्ट्रियल चार्ज ऑफ द स्टेशन मिस्टर लियोनार्ड टेलर सहित कई अंग्रेज सैन्य अधिकारी, जवान और दूसरे कारिंदों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी।

प्रयाग पाण्डे

नैनीताल में हुए प्रलयकारी भूस्खलन को 146 साल पूरे हो गए हैं। 18 सितंबर, 1880 को नैनीताल की शेर-का-डांडा पहाड़ी में विनाशकारी भूस्खलन हुआ था। इसने कुछ ही पलों में नैनीताल का भौगोलिक मानचित्र बदल दिया था। इस दर्दनाक त्रासदी में 108 हिंदुस्तानियों और 43 यूरोपियन समेत 151 लोगों के शव मिले। वैज्ञानिकों का मानना था कि कुछ शव पहाड़ी के नुकीले पत्थरों और मलबे के ढेरों में दबे हो सकते हैं। हादसे में कई लोग बाल-बाल बचे। बचाव कार्यों के दौरान मजिस्ट्रियल चार्ज ऑफ द स्टेशन मिस्टर लियोनार्ड टेलर सहित कई अंग्रेज सैन्य अधिकारी, जवान और दूसरे कारिंदों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी। बचाव कार्यों के दौरान कुमाऊँ के तत्कालीन कमिश्नर सर हैनरी रैमजे बाल-बाल बचे। वे कमर तक मलबे में धंस गए थे। भूस्खलन में लाखों रुपए की संपत्ति नष्ट हो गई थी। भूस्खलन ने कैप्टन हैरिस का भव्य एवं आलीशान विक्टोरिया होटल और इसके आसपास स्थित सभी घरों को नेस्तनाबूद कर दिया था। मालरोड के समीप स्थित 'बेल शॉप' नामक दुकान और माँ नयना देवी का मंदिर भी भूस्खलन की चपेट में आ गए थे। असेंबली रूम्स (वर्तमान कैपिटल सिनेमा) का एक हिस्सा झील में समा गया था और शेष बचा हुआ हिस्सा मलबे में दफ़्न हो गया था। वर्तमान बोट हाउस के पास वाला झील का एक हिस्सा पलक झपकते ही मैदान में तब्दील हो गया था। 1880 तक नैनीताल फलता-फूलता और सर्व सुविधा संपन्न खुशहाल नगर बन चुका था। तब यहाँ की आबादी 10.054 थी, जिसमें 2.957 महिलाएं और 7.097 पुरूष थे। अंग्रेज नैनीताल के मौसम और यहाँ की स्वास्थ्यवर्धक जलवायु से अभिभूत थे। वे नैनीताल के पर्यावरणीय खूबियों से तो भली- भांति वाकिफ हो चुके थे लेकिन ब्रिटिश हुक्मरान यहाँ के पारिस्थितिक तंत्र से छेड़छाड़ से हासिल खूबियों के लुत्फ उठाने की कीमत से अंजान थे। 18 सितंबर, 1880 को शेर-का-डांडा पहाड़ी में चंद सैकेंड के भीतर घटी विनाशकारी भूस्खलन की इस त्रासदी ने न केवल अंग्रेजी शासकों के होश उड़ा दिए बल्कि उन्हें भीतर तक हिला कर रख दिया था। हालांकि ब्रे-साइड का यह क्षेत्र प्रारंभ से ही अति संवेदनशील माना जाता था। 1880 से पूर्व भी इस क्षेत्र में कई मकान क्षतिग्रस्त हो चुके थे। नैनीताल की बसासत के करीब ढाई दशक बाद 1867 में पहला भूस्खलन भी इसी पहाड़ी में हुआ था, जिसमें चार लोगों की जान चली गई थी। इस क्षेत्र की संवेदनशीलता के मद्देनजर 1880 से पूर्व अंग्रेज शासक यहाँ दार्जिलिंग की तर्ज पर नाला तंत्र विकसित कर चुके थे लेकिन दार्जिलिंग का नाला तंत्र नैनीताल के भूगर्भीय हालातों में कारगर सिद्ध नहीं हुआ। 1880 से पहले शेर-का-डांडा पहाड़ी में आलीशान राजभवन के अलावा करीब डेढ़ दर्जन बंगले बने थे। बंगलों, उद्यान, टेनिस कोर्ट और सड़क-रास्तों आदि के निर्माण कार्यों में यहाँ की पहाड़ियों में भू-कटान और वृक्षों का पातन हुआ। इन निर्माण गतिविधियों के कारण यहाँ की प्राकृतिक भू-व्यवस्था अस्त-व्यस्त हो चुकी थी। 1880 के तीसरे सप्ताह के प्रारंभ में नैनीताल में लगातार चार दिनों तक मूसलाधार बारिश हुई। निर्माण गतिविधियों के कारण वर्षा के पानी के निकास के प्राकृतिक मार्ग अवरुद्ध हो गए थे। प्राकृतिक नालों का वजूद खत्म हो गया था। वर्षा के जल की प्राकृतिक निकासी की व्यवस्था छिन्न- भिन्न हो गई थी। बंगलों और अन्य निमार्णों के लिए भूमि समतलीकरण के कारण वर्षा का पानी जमीन के उदर में जमा होने लगा। जमीन के गर्भ में समा गए पानी को बाहर निकलने के लिए उचित मार्ग नहीं मिला। नतीजतन वर्षा का पानी जमीन के अंदर जमा हो गया। अत्यधिक जल जमाव के कारण जमीन की सहन शक्ति क्षीण हो गई थी। इसी बीच आए भूकंप के एक हल्के झटके ने आग में घी का काम किया। 18 सितंबर, 1880 को जमीन के भीतर जमा पानी शेर-का-डांडा पहाड़ी के एक बड़े हिस्से को अपने साथ नैनी झील की ओर ले आया। धूल के एक गुबार के साथ गादनुमा इस मलबे के ढेर ने नगर में तबाही मचा दी थी। भूस्खलन के बाद कुमाऊँ के तत्कालीन कमिश्नर सर हैनरी रैमजे ने बचाव और राहत कार्यों की कमान खुद संभाली। युद्धस्तर पर बचाव कार्य किए गए। हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों और प्रभावितों की सहायता के लिए सर हैनरी रैमजे की अध्यक्षता में साठ हजार रुपए का सहायता कोष बनाया गया। 'द हिमालयन गजेटियर' के लेखक एडविन टी. एटकिंसन इस सहायता कोष के सचिव बनाए गए। काबिल-ए- गौर बात यह है कि इस प्राकृतिक आपदा के बाद नैनीताल म्युनिसिपल कमेटी के सभी सदस्यों ने नैतिकता के आधार पर सामूहिक रूप से त्यागपत्र दे दिए थे। इस भूस्खलन के बाद औपनिवेशिक सरकार नैनीताल की पहाड़ियों की सुरक्षा को लेकर बेहद संवेदनशील हो गई थी। ब्रिटिश सरकार ने इस हादसे को ₹त्रासदी₹ करार दिया। हादसे के चौथे दिन 22 सितंबर, 1880 को नॉर्थ वेस्टर्न प्रोविंसेस के तत्कालीन लेफ्टिनेंट गवर्नर ने शेर-का-डांडा पहाड़ी की जांच के लिए कुमाऊँ के तत्कालीन कमिश्नर सर हैनरी रैमजे की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय जाँच कमेटी बना दी थी। इसके बाद भारत के भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के उप अधीक्षक मिस्टर डब्ल्यू. थियोबॉल्ड ने शेर-का-डांडा पहाड़ी की जाँच की। इसी साल भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के वैज्ञानिक आर.डी. ओल्डहैम की अध्यक्षता में इंजीनियरों की एक जाँच कमेटी बनी। इसके अलावा सेना की ओर से दो कोर्ट ऑफ इंक्वायरी बैठाई गई। ब्रिटिश सरकार ने एक विशेष सिविल अधिकारी की नियुक्ति की। विशेष सिविल अधिकारी ने सरकार को अलग से अपनी जाँच रिपोर्ट सौंपी। नगर पालिका के तत्कालीन सदस्य एवं भू-विज्ञानी फ्रैडिक एडवर्ड जॉर्ज मैथ्यूज ने भी शेर-का- डांडा पहाड़ी की सुरक्षा की जाँच की थी, मैथ्यूज की जाँच रिपोर्ट 1882 में प्रकाशित हुई। विशेषज्ञों की रिपोर्ट के आधार पर शेर-का-डांडा की पूरी पहाड़ी को किसी भी प्रकार के निर्माण के लिए निषेद्ध क्षेत्र घोषित कर दिया गया। यहाँ तक कि इस क्षेत्र में फुलबाड़ी बनाने पर भी पाबंदी लगा दी गई। इस पहाड़ी में अवस्थित करीब डेढ़ दर्जन बंगलों को बिना सिविल अधिकारी की लिखित अनुमति के किराए पर उठाने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया था। तत्कालीन ओक ओपिनिंग्स स्कूल (अब बिड़ला विद्या मंदिर) और अन्य बंगलों में पानी जमा करने के लिए बने खालों को पाट दिया गया था। पहाड़ी में बने असुरक्षित भवनों को तोड़ने के आदेश जारी कर दिए गए। इस हादसे के बाद नैनीताल में वैज्ञानिक आधार पर एक नया नायाब नालातंत्र विकसित किया गया। 1880 से 1928 के दौरान समूचे नैनीताल को 69 बड़े और 234 ब्रांच नालों के जाल में लपेट दिया गया। सबसे अधिक नाले इसी पहाड़ी में बनाए गए। शेर-का- डांडा नाला सिस्टम के अंतर्गत अंग्रेजों ने 1880 से 1928 के दरम्यान 19 बड़े और 111 ब्रांच नाले बनाए थे। यहाँ बनाए गए बड़े नालों की लंबाई 29,270 फिट थी, जबकि ब्रांच नालों की लंबाई 34,982 फिट थी। वर्तमान में इनमें से अधिकांश ब्रांच नाले विलुप्त हो गए हैं।

तेल पर अमेरिकी दबाव के बीच भारत की दो टूक!

एक ओर अमेरिका का संदेश साफ है कि वह ऐसे देशों पर शत-प्रतिशत टैरिफ की मार देगा, दूसरी ओर भारत है, जिसने अमेरिका को संदेश दिया है कि वह अपनी ऊर्जा सुरक्षा से समझौता नहीं कर सकता।भारत अपने 1.4 अरब लोगों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

अमेरिकी कांग्रेस द्वारा रूस और ईरान से संबंधित नए प्रतिबंध कानून को पारित कर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रूस से ऊर्जा खरीद जारी रखने वाले देशों पर सौ प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का अधिकार देने के बाद वैश्विक स्तर पर नए समीकरण बन गए हैं। अब दबाव भारत समेत उन तमाम देशों पर आ रहा है, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए रूस से तेज खरीदते हैं। एक ओर अमेरिका का संदेश साफ है कि वह ऐसे देशों पर शत-प्रतिशत टैरिफ की मार देगा, दूसरी ओर भारत है, जिसने अमेरिका को संदेश दिया है कि वह अपनी ऊर्जा सुरक्षा से समझौता नहीं कर सकता। भारत अपने 1.4 अरब लोगों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और बाजार की परिस्थितियों के अनुसार विभिन्न स्रोतों से ऊर्जा खरीद जारी रखेगा, जिस पर कि भारत अपने व्यापार और आर्थिक हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम समय-समय पर उठाता रहेगा। एक तरह से देखें तो अमेरिका को यह संदेश देना जरूरी था। फिर रूस से भारत की तेल खरीद कोई आज की बात तो है नहीं, हां, इसमें इतना जरूर हुआ है कि 2022 के बाद तेजी आई है, वह भी इसलिए क्योंकि भारत को अपनी ऊर्जा लागत को नियंत्रित रखना था।

यहां यह भी ध्यान रहे कि भारत ने रूस से तेल खरीदते समय दुनिया के अन्य देशों से ऊर्जा आयात बंद नहीं किया है। भारत की शुरू से नीति ही रही है कि वह किसी एक देश पर निर्भर न रहकर अपनी जरूरत के हिसाब से अधिकतम स्रोतों से ऊर्जा प्राप्त करता रहेगा। स्वभाविक तौर पर भारत का तर्क भी यही है कि जब विश्व के कई बाजारों में तेल उपलब्ध है, तब राजनीतिक प्राथमिकताओं के कारण महंगे विकल्प क्यों चुने जाएं?

आज का घटनाक्रम अचानक पैदा नहीं हुआ है। रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से ही अमेरिका और उसके सहयोगी देशों की ओर से भारत पर रूसी तेल की खरीद सीमित करने का दबाव रहता रहा है। 2025 में यह दबाव सीधे टैरिफ तक पहुंच गया था। अगस्त 2025 में राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत से आने वाले उत्पादों पर रूसी तेल आयात के कारण अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क लगाया, फिर जब फरवरी 2026 में अमेरिका ने वही अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क हटाया तो कहा गया, भारत ने रूसी तेल आयात रोकने की दिशा में कदम उठाने और अमेरिकी ऊर्जा उत्पाद खरीदने की प्रतिबद्धता व्यक्त की, इसलिए यही शुल्क हटाने का आधार है।

ऐसे में इस पूरे घटनाक्रम को देखने पर एक बात साफ दिखाई देती है कि ऊर्जा खरीद का प्रश्न भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों में बातचीत और दबाव, दोनों का हिस्सा बन चुका है, किंतु इस बीच एक अच्छा काम यह हुआ है कि भारत ने अमेरिका को बहुत स्पष्ट संदेश दिया है और वह यही है कि मोदी सरकार आम आदमी की जेब पर तेल का बोझ बिल्कुल नहीं डालेगी। हालांकि तेल के इतर दोनों देश (भारत-अमेरिका) रक्षा, तकनीक, शिक्षा, व्यापार और रणनीतिक मामलों में महत्वपूर्ण साझेदार हैं। भारत हमेशा से ही अमेरिका के साथ संबंधों को महत्व देता है और अमेरिका भी भारत को हिंद-प्रशांत तथा वैश्विक अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण साझेदार मानता है, किंतु जब साझेदार एक देश दूसरे की ऊर्जा नीति निर्धारित करने लगे तब फिर विरोध का ही रास्ता शेष बचता है।

बेशक, भारत को अमेरिका के साथ संवाद जारी रखना चाहिए, बातचीत से रास्ता निकालना चाहिए और जहां संभव हो वहां अमेरिकी ऊर्जा उत्पाद भी खरीदने चाहिए, किंतु अंतिम निर्णय भारत के राष्ट्रीय हितों को ही ध्यान में रखकर लिए जाएंगे, यही किसी भी बराबरी की साझेदारी की बुनियादी शर्त है।

अमेरिकी कानून का निशाना बड़े देशों में भारत के अलावा चीन पर भी है। चीन ने भी अमेरिकी कदम पर आपत्ति जताई है। बीजिंग ने इसे एकतरफा माना है और कहा है कि यह निर्णय अंतरराष्ट्रीय कानून में विपरीत है। फिर भी इस पूरे घटनाक्रम से भारत को एक महत्वपूर्ण सबक लेना चाहिए। यदि कोई बाहरी शक्ति हमारे ऊर्जा स्रोतों पर दबाव डाल सकती है, तो हमें अपनी ऊर्जा निर्भरता कम करने की दिशा में और तेजी से आगे बढ़ना होगा, ताकि जितना संभव हो हम दूसरों पर अपनी निर्भरता कम से कम कर सकें। वैसे भी जितनी ऊर्जा निर्भरता हमारी कम होगी हम उतने ही ताकतवर बनेंगे।

फिलहाल भारत की वास्तविक ताकत इसी में है कि वह बिना किसी अन्य देश के दबाव में आए, अपने निर्णय देश की जरूरतों के हिसाब से लेता रहे। वह रूस से भी तेल खरीदे, अमेरिका से भी और जरूरत पड़ने पर किसी अन्य देश से भी, इसलिए वर्तमान आवश्यकता इसी में है कि भारत दृढ़ता के साथ अमेरिका के सामने खड़ा रहे । वह बार-बार उसे बताता रहे कि अमेरिकी-भारत संबंध जितने जरूरी हैं, उनसे कहीं अधिक जिम्मेदारी भारत की अपने नागरिकों कें प्रति है । भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा पहले करेगा। अतः रूस से संबंध भी बनाए रखने हैं और यूरोप, पश्चिम एशिया तथा अन्य ऊर्जा उत्पादक देशों के साथ भी साझेदारी बढ़ाते रहना भारत की विदेशनीति है। एक तरह से यही सही नीति है, जिसमें भले ही अमेरिका, भारत का मित्र और महत्वपूर्ण साझेदार हो सकता है, किंतु भारत की ऊर्जा सुरक्षा का अंतिम निर्णय भारत ही करेगा। एक देश के रूप में यही आत्मसम्मान है और यही आर्थिक संप्रभुता भी है।

बेहद दिलचस्प है भगवान शिव और बरगद के वृक्ष का संबंध, कई रहस्यों को करता है उजागर

बरगद के पेड़ से जुड़ी कई धार्मिक मान्यताओं के कारण इसकी पूजा की जाती है लेकिन इस पेड़ का अध्यात्म से भी गहरा संबंध है। बरगद का पेड़ का न केवल अमरता का प्रतीक है, बल्कि भगवान शिव का निवास-स्थान भी माना जाता है। यह जन्म और मृत्यु को भी प्रतीकात्मक रूप से दशार्ता है। बरगद से जुड़े कई रहस्य हैं।

बरगद का वृक्ष भारतीय संस्कृति में सबसे पवित्र वृक्षों में से एक माना जाता है। इसकी विशाल शाखाएँ, गहरी जड़ें और सैकड़ों वर्षों तक जीवित रहने की क्षमता इसे स्थिरता, चेतना और अमरत्व का प्रतीक बनाती हैं। बरगद के पेड़ को 'व्रत वृक्ष' या 'संन्यासी वृक्ष' भी कहा जाता है। अमरता का प्रतीक होने के कारण वट

सावित्री व्रत में महिलायें इस वृक्ष की पूजा करती हैं। मान्यता है कि यह वृक्ष पति को दीघार्यु देता है। यह मान्यता इसलिए प्रचलित है क्योंकि एक कथा के अनुसार माता पार्वती ने शिव जी से दीघार्यु और अखंड सौभाग्य का वर बरगद के नीचे प्राप्त किया। तभी से स्त्रियाँ वट सावित्री व्रत में बरगद की पूजा करती हैं। बरगद का संबंध केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं, बल्कि गहरे आध्यात्मिक अर्थों से जुड़ा हुआ है। बौद्ध धर्म में इसे 'बोधि वृक्ष' कहा जाता है और ज्ञान का प्रतीक माना जाता है। वहीं, हिन्दू धर्म में इसे भगवान शिव से जोड़कर देखा जाता है। इस पेड़ को शिवजी से जोड़ने के पीछे क्या रहस्य है, चलिए जानते हैं.

बरगद को भगवान शिव का प्रतीक कई कारणों से माना जाता है। जिस प्रकार शिव जी अनादि और अनंत हैं, ठीक उसी प्रकार बरगद भी अनेक पीढ़ियों तक जीवित रहता है और अमरता का प्रतीक बना हुआ है। भगवान शिव को केवल संहारक नहीं, बल्कि परिवर्तन और पुनर्जन्म का देवता भी माना जाता है। वे सृष्टि के उस नियम का प्रतिनिधित्व करते हैं, जहाँ हर अंत एक नई शुरूआत का संकेत होता है। बरगद की भी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उसकी शाखाओं से नई जड़ें निकलती हैं, जो बाद में स्वयं तने का रूप ले लेती हैं और फिर वह विशाल पेड़ स्थिरता, अमरत्व और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक बन जाता है। बरगद के पेड़ की इसी खासियत के कारण आज भी कई प्राचीन मंदिरों और तपोस्थलों में बरगद के वृक्ष के नीचे शिवलिंग की स्थापना मिलती है। यह इस बात का प्रतीक है कि प्रकृति और परमात्मा एक-दूसरे से अलग नहीं हैं।

एक पौराणिक कथा के अनुसार, जब सती ने अपने पिता दक्ष के यज्ञ में आत्मदाह किया, तो शिव गहन वैराग्य में चले गए। उस समय उन्होंने बरगद के नीचे ही ध्यान लगाया था। तब से, बरगद की विशाल जड़ें और शाखाएँ शिव के अनंत स्वरूप का प्रतीक बनीं। बरगद के पेड़ की छाया को ईश्वर की छाया माना जाने लगा। बरगद के वृक्ष के नीचे ऋषि बैठकर तपस्या करने लगे। ऋषि और संन्यासी, इस पेड़ के नीचे शिवलिंग बनाकर विराजमान करने लगे और पूजने लगे। जिस प्रकार शिव जी एक तपस्वी, योगी और आत्माओं के स्वामी माने जाते हैं, ठीक उसी तरह बरगद के पेड़ की छाया भी तपस्वियों और योगियों के लिए पसंदीदा स्थान बन गया। वे इसी पेड़ के नीचे अपने प्राण भी त्यागने लगे और मान्यताओं के अनुसार यह पेड़ पूर्वजों की आत्माओं का पेड़ कहा जाता है। कई श्मशान घाट के पास बरगद का पेड़ लगाया जाता है, ताकि आत्माओं को एक स्थान मिल सके। यह पेड़ शिव जी के साह-साथ यम का भी प्रतीक बन गया।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है : नयन कुमार

संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी के निदेर्शानुसार जिले में विद्यालयों में शैक्षणिक व्यवस्था विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति व मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला शिक्षा पदाधिकारी नयन कुमार द्वारा आज राजमहल एवं बोरियो क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया गया। जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा जे.के. प्लस टू उच्च विद्यालय, राजमहल मॉडल स्कूल राजमहल कन्या उच्च विद्यालय राजमहल तथा उत्क्रमित मध्य विद्यालय, कारीकांदर अंचल-बोरियो का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालयों में छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों की उपस्थित पठन-पाठन की स्थिति शैक्षणिक गतिविधियों, विद्यालय परिसर की साफ-सफाई, मध्यान्ह भोजन व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लेते हुए जे.के. प्लस टू उच्च विद्यालय राजमहल में विद्यार्थियों की उपस्थिति अपेक्षाकृत

काफी कम पाए जाने पर जिला शिक्षा पदाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन एवं संबंधित शिक्षकों को विद्यार्थियों की नियमित संतोषजनक उपस्थिति सुनिश्चित करने और अनुपस्थित रहने वाले विद्यार्थियों के संबंध में आवश्यक कार्रवाई व अभिभावकों से समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि वे विद्यार्थियों को नियमित रूप से विद्यालय आने के लिए प्रेरित करें तथा कक्षा-कक्ष में प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण पठन-पाठन का वातावरण सुनिश्चित करें।

जिला शिक्षा पदाधिकारी ने सभी संबंधित विद्यालयों को विद्यालय परिसर की स्वच्छता, अनुशासन, शिक्षकों की समयबद्ध उपस्थिति एवं मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास की आधारशिला हैं। अतः विद्यालयों में ऐसा सकारात्मक एवं अनुशासित वातावरण विकसित किया जाए, जिससे विद्यार्थियों में सीखने की रुचि बढ़े और वे नियमित रूप से विद्यालय से जुड़ें।जिला शिक्षा पदाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों विद्यालय प्रबंधन को निर्देश दिया कि विद्यालयों में शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी करते हुए कमियों को तत्काल दूर किया जाए ताकि जिले में शिक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी गुणवत्तापूर्ण व परिणामोन्मुख बनाया जा सके।

मतदाता पुनरीक्षण कार्यों का किया औचक निरीक्षण

संवाददाता

साहिबगंज : निर्वाचक सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य को पारदर्शी, त्रुटिरहित एवं निर्धारित समय-सीमा के अनुरूप संपन्न कराने के उद्देश्य से आज निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी-सह-अनुमंडल पदाधिकारी, साहिबगंज श्री अमर जॉन आइन्द द्वारा दो बोरियो अ.ज.जा. विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र अंतर्गत गोड्डा जिला के बोआरीजोर प्रखंड स्थित बड़ा श्रीपुर गांव के मतदान केंद्र संख्या 72 और 73 का औचक निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान श्री आइन्द ने संबंधित मतदान केंद्रों पर चल रहे रक्फ़ मतदाता पुनरीक्षण कार्यों की प्रगति, अभिलेखों एवं संबंधित प्रक्रियाओं का जायजा लिया तथा उपस्थित कर्मियों से कार्य की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की।उन्होंने कर्मियों को निर्देशित किया कि मतदाता पुनरीक्षण कार्य में निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करते हुए प्रत्येक पात्र मतदाता तक पहुंच बनाई जाए। साथ ही, प्राप्त प्रपत्रों एवं अभिलेखों का सावधानीपूर्वक सत्यापन करते हुए कार्य में पारदर्शिता, शुद्धता एवं निष्पक्षता बनाए रखने पर विशेष बल दिया गया।निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी ने कहा कि मतदाता सूची लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है। अतः पुनरीक्षण कार्य के दौरान किसी भी पात्र नागरिक का नाम छूटने न पाए तथा अपात्र नामों के संबंध में नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित हो। उन्होंने सभी संबंधित कर्मियों को पूरी जवाबदेही, तत्परता एवं गंभीरता के साथ कार्य निष्पादित करने का निर्देश दिया।जिला प्रशासन द्वारा रक्फ़ के तहत चल रहे मतदाता पुनरीक्षण कार्यों की लगातार निगरानी एवं क्षेत्रीय स्तर पर औचक निरीक्षण के माध्यम से समीक्षा की जा रही है, ताकि अद्यतन एवं शुद्ध मतदाता सूची तैयार करने के लक्ष्य को प्रभावी ढंग से सुनिश्चित किया जा सके।

वार्ड पार्षदों ने अपनी मांगो को लेकर नगर परिषद में दिया धरना

संवाददाता

साहिबगंज : नगर परिषद में शुक्रवार को वार्ड पार्षदों ने अपनी मांगो को लेकर धरना प्रदर्शन किया।वार्ड पार्षद शेखर पासवान ने बताया कि हमलोग जब से जीतकर आए तो नगर परिषद में हमलोग के बैठने का जगह नहीं है। जाति प्रमाण पत्र,जन्मतिथि प्रमाण पत्र बनाने में विलंब हो रहा है। बाढ़ प्रभावित वार्ड में ब्लीचिंग का छिड़काव नहीं हो रहा है,राहत सामग्री नहीं मिल रहा है।वार्ड पार्षद दीपा देवी ने कहा कि मेरा नाती का जन्म प्रमाण पत्र अभी तक नहीं बना है तो आम जनता का क्या हाल होता होगा।हमलोग को बैठने का जगह नहीं है,हमलोग के बातों का अनदेखी होता है।जमादार,सिटी मैनेजर,कार्यपालक पदाधिकारी हमलोग का बात नहीं मानता है।मौके पर वार्ड पार्षद बुशरा तहरीम,आरती कुमारी,रंजीत कुमार साह,पार्वती उरांव,आरती कुमारी,अंजली कुमारी सहित अन्य वार्ड पार्षद उपस्थित थे।

जिला स्तरीय प्रतियोगिता का हुआ उद्घाटन

संवाददाता

साहिबगंज : झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद, रांची के निदेश के आलोक में जिला स्तरीय खेलो झारखंड प्रतियोगिता 2026-27 फुटबॉल व वॉलीबॉल बालक एवं बालिका प्रतियोगिता का उद्घाटन सिद्धो कान्हू स्टेडियम साहिबगंज में आयोजित किया गया।जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि जिला शिक्षा पदाधिकारी -सह- जिला खेल पदाधिकारी श्री नयन कुमार एवं विशिष्ट अतिथि जिला शिक्षा अधीक्षक सुश्री उर्मिला हांसदा ने दीप प्रज्जवलित कर किया साथ ही खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया।विभिन्न प्रखंडों से प्रतिभागियों ने जिला स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए विजेता एवं उपविजेता बनने का गौरव प्राप्त किया तथा राज्य स्तरीय खेलो झारखंड प्रतियोगिता के लिए अहर्ता हासिल किया।इसके पूर्व मुख्य अतिथि विशिष्ट अतिथि को पौधा देकर एडीपीओ श्री जयेंद्र कुमार मिश्र ए.पी.ओ.शबनम तबस्सुम प्रशिक्षक योगेश यादव ने स्वागत किया।

परिणाम :बालक फुटबॉल विजेता पतना प्रखंड उपविजेता उधवा प्रखंड ,बालिका फुटबॉल विजेता बोरियो प्रखंड उपविजेता तालझारी प्रखंड रहा। वॉलीबॉल बालक : विजेता तालझारी प्रखंड ,उपविजेता - उधवा प्रखंड

इस अवसर पर मैच रेफरी अनिल टुडू, खेल शिक्षक सुनील किस्कू, आदित्य कुमार, बिरेंद्र कुमार, राजीव कुमार, राजेश कुमार राका, दीपक सिंह,मिरु सोरेन, अन्ना मुर्मू, सोने लाल मंडल समेत विभिन्न विद्यालयों के शारीरिक शिक्षक,शिक्षिका समेत प्रखंड के कोच व मैनेजर, शिक्षक एवं शिक्षेतर कर्मी उपस्थित थे। 19 सितंबर को प्रातः 9:00 बजे से एथलेटिक्स, कबड्डी, खो खो प्रतियोगिता आयोजित है।

आजसू ने बाढ़ प्रभावित परिवारों के बीच सूखा राहत सामग्री बांटी

संवाददाता

साहिबगंज : मंडरो प्रखंड क्षेत्र के छोटी सोलबंधा , मुसहर टोला में शुक्रवार को आजसू पार्टी की ओर से बाढ़ प्रभावित गरीब परिवारों के बीच सूखा राहत सामग्री का वितरण किया गया। पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो के निर्देश पर आयोजित राहत वितरण कार्यक्रम का नेतृत्व आजसू पार्टी के जिला अध्यक्ष चतुरानंद पांडेय ने किया।इस दौरान बाढ़ से प्रभावित जरूरतमंद परिवारों को सूखा राशन उपलब्ध कराया गया।राहत सामग्री मिलने पर बाढ़ प्रभावित लोगों ने आजसू कार्यकताओं का आभार जताया।स्थानीय लोगों ने बताया कि बाढ़ के कारण दैनिक जीवन प्रभावित हुआ है और कई परिवारों के सामने भोजन की समस्या उत्पन्न हो गई है। ऐसे समय में राहत सामग्री मिलने से उन्हें काफी सहारा मिला है।आजसू जिलाध्यक्ष चतुरानंद पांडेय ने कहा कि बाढ़

प्रभावित लोगों की परेशानी को देखते हुए पार्टी लगातार राहत कार्य में जुटी है।आजसू पार्टी की ओर से बाढ़ प्रभावित विभिन्न गांवों और टोलों में रहने वाले गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के बीच सूखा राशन वितरित किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि राहत कार्य को आगे भी जारी रखा जाएगा,ताकि बाढ़ से प्रभावित परिवारों को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।उन्होंने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर जरूरतमंद लोगों की जानकारी ले रहे हैं और उनके बीच उपलब्ध संसाधनों के अनुसार राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है।इस कार्य में आजसू पार्टी के कार्यकर्ता लगातार सहयोग कर रहे हैं।मौके पर आजसू पार्टी के कई कार्यकर्ता एवं स्थानीय ग्रामीण मौजूद थे।

यूपीईआई ट्रांजैक्शन पर शुल्क के विरोध में एफजेसीसीआई ने उठाई आवाज

संवाददाता

साहिबगंज : यूपीआई ट्रांजैक्शन पर शुल्क लगाए जाने की संभावनाओं के विरोध में फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने आवाज उठाई है।इस मुद्दे को लेकर एफजेसीसीआई के संथाल परगना क्षेत्रीय उपाध्यक्ष आकाश पांडेय ने साहिबगंज में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर व्यापारियों और आमउपभोक्ताओं से जुड़े संभावित प्रभावों पर अपनी चिंता व्यक्त की।प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान आकाश पांडेय ने कहा कि युपीआई आज देश में डिजिटल भुगतान का एक महत्वपूर्ण और व्यापक माध्यम बन चुका है।छोटे दुकानदारों से लेकर बड़े व्यापारियों और आम उपभोक्ताओं तक बड़ी संख्या में लोग रोजमर्रा के लेनदेन के लिए युपीआई का इस्तेमाल कर रहे हैं।आकाश पांडेय ने कहा कि व्यापारिक समुदाय डिजिटल भुगतान व्यवस्था को सरल,सुगम और सुलभ बनाए रखने के पक्ष में है।उन्होंने कहा कि व्यापारियों से जुड़े मुद्दों और उनकी चिंताओं को उचित मंच पर मजबूती के साथ उठाया जाएगा।वही अध्यक्ष नवीन भगत ने कहा कि डिजिटल भुगतान व्यवस्था ने लेनदेन को काफी आसान और तेज बनाया है।ऐसे में युपीआई ट्रांजैक्शन पर किसी भी प्रकार का शुल्क लगाए जाने से पहले इसके व्यापक प्रभावों पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। विशेष रूप से छोटे व्यापारियों और आम उपभोक्ताओं पर इसके संभावित आर्थिक प्रभाव को ध्यान में रखना जरूरी है।मौके पर फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष नवीन भगत, उपाध्यक्ष अनूप सिंह व संजय दीवान सचिव जाहिद खान कोषाध्यक्ष शुभम कुमार पोद्दार,संरक्षक सज्जन पोद्दार व सुनील भरतीया,सदस्य अंकित केजरीवाल अजय डोकानिया नानू तंबाखूवाला आशीष अग्रवाल ओर अंकित सर्राफ सहित अन्य थे।

न्यूज IN ब्रीफ

पोषण सुरक्षा और सशक्तिकरण पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

साहिबगंज : बेटियों के बेहतर पोषण शिक्षा सुरक्षा और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उधवा प्रखंड स्थित +2 उच्च विद्यालय उधवा में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला समाज कल्याण पदाधिकारी संजय कुमार दास के निदेर्शानुसार किया गया।कार्यक्रम में छात्राओं को पोषण माहवारी स्वच्छता नशा मुक्ति, आत्मरक्षा एवं आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही गुड टच-बैड टच, बाल विवाह, बाल श्रम यौन शोषण से सुरक्षा पीओसीएसओ एक्ट व किशोर न्याय अधिनियम सहित महत्वपूर्ण कानूनों की जानकारी दी गई।जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी सुश्री पूनम कुमारी ने छात्राओं को यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य सुरक्षित वातावरण शिक्षा और संरक्षण के अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए विपरीत परिस्थितियों में साहस के साथ आगे बढ़ने आत्मरक्षा के कौशल सीखने के लिए प्रेरित किया।इस अवसर पर सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना स्पॉन्सरशिप फोस्टर केयर आफ्टर केयर, दत्तक ग्रहण, सखी वन स्टॉप सेंटर व चाइल्ड हेल्पलाइन जैसी महत्वपूर्ण सरकारी योजनाओं व सहायता सेवाओं की जानकारी भी दी गई। छात्राओं के बीच सेनेटरी पैड का वितरण किया गया तथा युवाओं को नशा मुक्ति का संकल्प दिलाया गया। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए एक पौधा बेटी के नाम अभियान के तहत पौधारोपण भी किया गया सफल बनाने में संरक्षण पदाधिकारी गैर-संस्थागत देख-रेख सुश्री चंदा कुमारी चाइल्ड हेल्पलाइन परियोजना समन्वयक मोहम्मद इकबाल का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मौके पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित थीं।

मालदा मंडल में उत्साह और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाई गई विश्वकर्मा पूजा

साहिबगंज : पूर्व रेलवे के मालदा मंडल में आज विभिन्न कार्यालयों, कार्यशालाओं,अनुरक्षण प्रतिष्ठानों एवं परिचालन इकाइयों में कर्मचारियों द्वारा विश्वकर्मा पूजा उत्साह एवं पारंपरिक उल्लास के साथ मनाई गई।इस अवसर पर तकनीकी दक्षता, कुशल कार्यप्रणाली,उचित अनुरक्षण, कार्यस्थल की स्वच्छता तथा सुरक्षा के महत्व को रेखांकित किया गया, जो रेल परिचालन के सुरक्षित एवं सुचारु संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।इस अवसर पर मनीष कुमार गुप्ता, मंडल रेल प्रबंधक,मालदा ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय तथा अन्य रेलवे प्रतिष्ठानों में विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित विश्वकर्मा पूजा पंडालों का दौरा किया।इस दौरान उन्होंने रेलवे कर्मचारियों से बातचीत की तथा उन्हें विश्वकर्मा पूजा की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने मंडल के सुचारु संचालन में कर्मचारियों की समर्पित भूमिका एवं योगदान की सराहना की।विश्वकर्मा पूजा के दौरान रेलवे परिसंपत्तियों, मशीनरी,औजारों एवं उपकरणों के उचित अनुरक्षण तथा उनकी कार्यशील स्थिति बनाए रखने के महत्व पर भी बल दिया गया।साथ ही, कर्मचारियों के बीच सुरक्षा,स्वच्छता एवं टीम भावना की सुदृढ़ संस्कृति को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया।यह आयोजन चल रहे ह्णस्वच्छता ही सेवाझ्र2026ह्व अभियान के साथ भी जुड़ा रहा,जिसके तहत कर्मचारियों ने अपने-अपने कार्यस्थलों की स्वच्छता एवं सजावट में सक्रिय भागीदारी की।विश्वकर्मा पूजा का यह आयोजन टीम भावना को प्रतिबिंबित करते हुए मालदा मंडल की सुरक्षा,स्वच्छता, तकनीकी उत्कृष्टता एवं विश्वसनीय यात्री सेवाओं के प्रति प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करता है।

मुफस्सिल थाना क्षेत्र से गृहभेदन में मुख्य आरोपी गिरफतार

हजारीबाग : जिले के मुफसिल थाना क्षेत्र में बंद घर का ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम देने वाले मुख्य अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसके पास से चोरी किए गए सभी सोने के आभूषण शत-प्रतिशत बरामद कर लिए हैं। बरामद आभूषणों की कीमत लगभग पाँच लाख रुपये बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गत 15 सितंबर 2026 को मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सखिया पोस्ट-ओरिया निवासी वादिनी जिन्नत प्रवीण के बंद घर में अज्ञात चोरों द्वारा घुसकर सोने के आभूषण और अन्य कीमती सामानों की चोरी कर ली गई थी। इस संबंध में पीड़िता के लिखित आवेदन पर मुफसिल थाना कांड संख्या 157/26 दर्ज किया गया।

घटना की गंभीरता को देखते हुए हजारीबाग पुलिस अधीक्षक अमन कुमार के निदेर्शानुसार सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रूपक कुमार के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। टीम ने तकनीकी और परिस्थतिजन्य साक्ष्यों के साथ-साथ आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की जाँच की, जिससे संदिग्ध की पहचान हुई।इसके बाद पुलिस ने मुफसिल थाना क्षेत्र से घेराबंदी कर मुख्य आरोपी जाफर अंसारी पिता- मोकिम अंसारी, निवासी- तुरांव, थाना मुफसिल, हजारीबाग को धर दबोचा।

गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने झाड़ी में छिपाकर रखे गए चोरी के सभी सोने के आभूषण बरामद कर लिए हैं। पूछताछ में अभियुक्त ने स्वीकार किया कि इस घटना में उसके साथ उसका दोस्त मो फिरोज अंसारी उर्फ सोनू भी शामिल था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्त जाफर अंसारी का पहले से भी आपराधिक इतिहास रहा है और उसपर मुफसिल थाने में पूर्व से मामले दर्ज हैं। पुलिस ने लगभग 29 ग्राम सोने के आभूषण और 450 ग्राम चांदी के आभूषण बरामद किया है छापामारी में एसडीपीओ रूपक कुमार, मुफसिल थाना प्रभारी मुकेश कुमार सिंह, पुअनि बिन्देश्वर महतो, सअनि उषा कुमारी, तकनीकी शाखा और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

बॉक्स ऑफिस हिस्ट्री रिपीट!

'हनुमान अंश' ने 51 साल बाद दोहराया

'जय संतोषी मां' का इतिहास

कम बजट फिल्म 'हनुमान अंश' ने वर्ड ऑफ माउथ से 100 करोड़ से ज्यादा कमाए। दोनों फिल्मों ने आस्था के दम पर दर्शकों से जुड़कर बॉक्स ऑफिस पर कमाल किया।

साल 2026 में रिलीज हुई 'हनुमान अंश' ने बॉक्स ऑफिस पर जिस तरह से अपनी पकड़ बनाई है, उसने करीब 50 साल पुरानी एक यादगार फिल्म की यादें ताजा कर दी हैं। सिर्फ करीब 2 करोड़ रुपये के बजट में बनी यह फिल्म शुरुआत में बेहद धीमी रही, लेकिन धीरे-धीरे वर्ड ऑफ माउथ के दम पर ऐसी रफ्तार पकड़ी कि बड़े बजट की फिल्मों को भी पीछे छोड़ने लगी। यही वजह है कि अब इसकी तुलना 1975 में रिलीज हुई 'जय संतोषी मां' से की जा रही है।

51 साल बाद 'हनुमान अंश' ने बनाया नया रिकॉर्ड

'हनुमान अंश' की कहानी भी कुछ इसी तरह की नजर आ रही है। फिल्म नीम करौली बाबा के जीवन और उनकी आध्यात्मिक यात्रा से जुड़ी कहानी को पर्दे पर लेकर आई है। शुरुआत में फिल्म की कमाई बेहद कम रही, लेकिन दर्शकों के बीच फिल्म की चर्चा बढ़ने के साथ इसका बॉक्स ऑफिस ग्राफ लगातार ऊपर जाता गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म करीब 2 करोड़ रुपये के बजट में बनी और बाद में 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर गई। एक रिपोर्ट में इसके इंडिया बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को करीब 134.20 करोड़ रुपये तक बताया गया है।

'हनुमान अंश' ने कैसे बदली अपनी किस्मत?

'हनुमान अंश' की शुरुआत किसी बड़े बॉक्स ऑफिस ब्लॉकबस्टर की तरह नहीं हुई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म ने ओपनिंग डे पर सिर्फ करीब 10 लाख रुपये का कलेक्शन किया था। लेकिन फिल्म देखने वाले दर्शकों ने इसकी तारीफ करनी शुरू की और धीरे-धीरे इसका वर्ड ऑफ माउथ फैलता गया। नतीजा यह हुआ कि फिल्म की कमाई हर दिन बढ़ती चली गई। चौथे हफ्ते तक फिल्म भारत में करीब 72.88 करोड़ रुपये के नेट कलेक्शन तक पहुंच गई थी। बाद की रिपोर्ट्स में इसका इंडिया कलेक्शन 100 करोड़ रुपये के पार जाने की जानकारी भी सामने आई।

1975 में 'जय संतोषी मां' ने भी किया था ऐसा ही कमाल

अब जरा 1975 में वापस चलते हैं। उस दौर में 'जय संतोषी मां' रिलीज हुई थी। फिल्म का बजट बेहद कम था और इसमें आज के सुपरस्टार्स जैसी कोई बड़ी स्टार कास्ट भी नहीं थी। इसके बावजूद फिल्म ने ऑडियंस के बीच ऐसा असर पैदा किया कि वह सिर्फ एक फिल्म नहीं रही, बल्कि एक कल्चरल और स्पिरिचुअल फेनोमेनन बन गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक लोग सिनेमाघरों में फिल्म के पोस्टर्स पर माला चढ़ाते थे, आरती करते थे और कई जगहों पर जूते-चप्पल उतारकर फिल्म देखने तक जाते थे। फिल्म के साथ दर्शकों का जुड़ाव सामान्य सिनेमा से कहीं ज्यादा धार्मिक आस्था जैसा हो गया था।

'जय संतोषी मां' ने संतोषी माता को घर-घर पहुंचाया

'जय संतोषी मां' की सबसे बड़ी खासियत यह थी कि फिल्म ने संतोषी माता की लोकप्रियता को देशभर में एक अलग स्तर तक पहुंचा दिया। फिल्म से पहले संतोषी माता की पूजा कुछ क्षेत्रों में प्रचलित थी, लेकिन फिल्म की सफलता के बाद उनकी भक्ति और व्रत को लेकर लोगों के बीच क्यूरियोसिटी और आस्था दोनों बढ़ीं। यानी फिल्म ने सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर पैसा नहीं कमाया, बल्कि उसने पॉपुलर कल्चर और धार्मिक आस्था पर भी गहरा असर डाला। यही वजह है कि आज भी 'जय संतोषी मां' को भारतीय सिनेमा की सबसे चर्चित लो-बजट सक्सेस स्टोरीज में गिना जाता है।

दोनों फिल्मों की सबसे बड़ी समानता है 'आस्था'

'जय संतोषी मां' और 'हनुमान अंश' के बीच सबसे बड़ा कनेक्शन है आस्था। दोनों फिल्मों ने बड़े स्टार्स या भारी-भरकम बजट के बजाय धार्मिक और आध्यात्मिक कंटेंट के जरिए ऑडियंस से कनेक्शन बनाया। 'जय संतोषी मां' ने संतोषी माता की भक्ति को बड़े स्तर पर दर्शकों तक पहुंचाया, जबकि 'हनुमान अंश' ने नीम करौली बाबा की कहानी और उनके हनुमान भक्ति से जुड़े पहलुओं को बड़े पर्दे पर पेश किया है। यही वजह है कि दोनों फिल्मों की सक्सेस को सिर्फ बॉक्स ऑफिस नंबरों से समझना मुश्किल है। इनके पीछे ऑडियंस की आस्था और इमोशनल कनेक्शन भी बड़ी वजह नजर आती है।

'जय संतोषी मां' और 'हनुमान अंश' में एक और बड़ा कनेक्शन

'हनुमान अंश' के डायरेक्टर विशाल चतुर्वेदी ने फिल्म बनाने के पीछे 'जय संतोषी मां' से प्रेरणा मिलने की बात कही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने इस तरह की स्पिरिचुअल फिल्मों की कमी महसूस की और लंबे समय तक इस तरह के कंटेंट पर रिसर्च करने के बाद फिल्म बनाने का फैसला किया। फिल्म के लिए विशाल चतुर्वेदी ने कथित तौर पर अपनी फीस भी नहीं ली और शूटिंग के दौरान बेहद सख्त आध्यात्मिक रूटीन फॉलो किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक वह करीब साढ़े चार महीने तक फल खाते रहे और रोजाना हनुमान चालीसा का पाठ करते थे।

बड़े बजट की फिल्मों के बीच लो-बजट फिल्म का जलवा

'हनुमान अंश' की सफलता इसलिए भी खास है क्योंकि यह ऐसे समय में आई है जब बॉक्स ऑफिस पर बड़े स्टार्स, बड़े बजट और शानदार विजुअल्स वाली फिल्मों का दबदबा रहता है। इसके बावजूद एक करीब 2 करोड़ रुपये की फिल्म ने पहले धीमी शुरुआत की और फिर दर्शकों की पसंद के दम पर करोड़ों की कमाई कर डाली। यही स्लीपर हिट का सबसे बड़ा उदाहरण है–फिल्म रिलीज के साथ नहीं, बल्कि दर्शकों की सिफारिशों के साथ धीरे-धीरे बड़ी होती है।

'वाइब' के लिए प्रीति जिंटा ने की खूब भागदौड़

अभिनेत्री प्रीति जिंटा की जिंदगी में फिल्मों के साथ-साथ परिवार भी उतनी ही अहमियत रखता है। शादी के बाद से वह लॉस एंजिल्स में पति जीन गुडइनफ और जुड़वां बच्चों जय और जिया के साथ रहती हैं। ऐसे में जब किसी फिल्म की शूटिंग के लिए उन्हें भारत आना पड़ता है, तो दोनों देशों के बीच लगातार सफर करना भी उनके काम का हिस्सा बन जाता है। अपनी आने वाली फिल्म 'वाइब' के दौरान भी प्रीति को कुछ ऐसा ही करना पड़ा। अभिनेत्री ने बताया कि शूटिंग काफी बिजी थी, लेकिन इस पूरे सफर में उन्हें मेहनत के साथ खूब मजा भी आया। प्रीति ने कहा, ''मैंने 'वाइब' फिल्म को इसकी कहानी की वजह से साइन किया। जब मैंने पहली बार फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़ी तो मुझे कहानी इतनी पसंद आई कि मैं पढ़ते हुए कई बार हंसीं। मेरे लिए यही सबसे बड़ा संकेत था कि फिल्म में कुछ ऐसा है, जो दर्शकों को भी पसंद आ सकता है। अगर एक कलाकार कहानी पढ़कर ही इतना हंस रहा है, तो बाकी कलाकारों के अभिनय और फिल्म के पूरी तरह तैयार होने के बाद उसका असर और भी अच्छा हो सकता है।

रश्मिका ने दिखाया बेबी बंप!

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने सोशल मीडिया पर कुछ खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं। साथ ही लिखा है कि ये बेहद खास हैं। इसकी वजह भी बताई है। अभिनेत्री रश्मिका मंदाना अपने सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर एक बार फिर सुर्खियां बटोर रही हैं। इसमें वे बेबी बंप को टच करती दिख रही हैं। इससे पहले कि आप रश्मिका की प्रेग्नेंसी की अटकलें लगाएं तो स्पष्ट कर दें, ऐसा कुछ नहीं है। अभिनेत्री दरअसल, अपनी टीम की एक सदस्य का बेबी बंप दिखाते हुए उसे छू रही हैं। रश्मिका का कहना है कि ये तस्वीरें बेहद खास हैं, क्योंकि यह कैंडिट मूमेंट्स डिस्पोजेबल कैमरा से लिए गए हैं। रश्मिका मंदाना ने को इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। इसके साथ तस्वीरों की एक पूरी सीरीज साझा की है। यह फोटो खास हैं, क्योंकि डिस्पोजेबल कैमरा से लिए गए हैं। रश्मिका मंदाना ने एक लंबा नोट साझा किया है। रश्मिका मंदाना ने कैप्शन लिखा है, 'कुछ महीने पहले हमें एक छोटा सा आइडिया आया था। मैंने टीम को एक डिस्पोजेबल कैमरा दिया और बस यही कहा कि... जो भी मन करे, उसकी फोटो खींच लो। और... अब आखिरकार हमें फोटोज मिल गई हैं। तस्वीरें खींचते ही उसे न देख पाने में एक अलग ही मजा है। आप बाल ठीक नहीं कर सकते, एंगल नहीं बदल सकते, 20 और फोटो नहीं खींच सकते या अपनी पसंद की चीजें एडिट नहीं कर सकते। आपको बस वही पल मिलता है जैसा वह असल में था'।

डीपी वर्ल्ड नवा रायपुर ओपन में खलिन एच. जोशी बने विजेता, उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने खिलाड़ियों को किया पुरस्कृत

-गोल्फ के ग्लोबल मैप पर उभर रहा नवा रायपुर, विश्वस्तरीय सुविधाएं बन रहीं पहचान : अरुण

एजेंसी

रायपुर : खलिन जोशी ने बोगी-मुक्त तीन-अंडर 31 का स्कोर बनाकर छत्तीसगढ़ के नया रायपुर स्थित फेयरवे गोल्फ एंड लेक रिजॉर्ट में एक करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि वाला पहला एसईसीएल प्रेजेंट्स नवा रायपुर ओपन 2026 एक शॉट के अंतर से जीत लिया। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किया और सभी प्रतिभागियों को शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

एक शॉट की बढ़त के साथ अंतिम राउंड में उतरे बेंगलुरु के 34 वर्षीय जोशी (29-30-33-31) ने नौ होल के अपने राउंड में तीसरे से पांचवें होल तक लगातार तीन बर्डी लगाईं। उन्होंने 13-अंडर 123 के कुल स्कोर के साथ खिताब अपने नाम किया । अप्रैल में आंध्र ओपन और अगस्त में जम्मू-कश्मीर ओपन जीतने वाले जोशी का

यह सत्र का तीसरा और डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई पर कुल नौवाँ खिताब रहा। डीपी वर्ल्ड नवा रायपुर ओपन गोल्फ टूनार्मेंट-2026 के पुरस्कार वितरण समारोह में उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने शुक्रवार को कहा कि नवा रायपुर का वर्ल्ड क्लास फेयरवे गोल्फ एंड कंट्री क्लब छत्तीसगढ़ में गोल्फ के बढ़ते आकर्षण और विश्वस्तरीय खेल सुविधाओं की पहचान बन रहा है। श्री साव ने प्रतियोगिता के विजेता खलिन एच. जोशी सहित उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए और सभी प्रतिभागियों को शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि प्रदेश में इस तरह के बड़े और अंतरराष्ट्रीय स्तर के टूनार्मेंटों का आयोजन यहां की खेल संभावनाओं को नई दिशा देता है। ऐसे आयोजन छत्तीसगढ़ की गोल्फ प्रतिभाओं के लिए बड़े मंच का काम करते हैं। देश-दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ियों की मौजूदगी में होने वाली प्रतियोगिताओं से स्थानीय खिलाड़ियों को उच्च स्तर की प्रतिस्पर्धा का अनुभव मिलता है और उन्हें अपनी प्रतिभा को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर तक ले जाने की प्रेरणा मिलती है।

श्री साव ने डीपी वर्ल्ड नवा रायपुर ओपन के सफल आयोजन के लिए पीजीटीआई अध्यक्ष श्री कपिल देव और उनकी पूरी टीम का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन छत्तीसगढ़ को देश के प्रमुख खेल आयोजनों के मानचित्र पर स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। छत्तीसगढ़ में खेलों के विकास और खिलाड़ियों को बेहतर मंच देने के ऐसे प्रयास लगातार जारी रहेंगे। प्रदेश में आधुनिक खेल अधोसंरचना का विस्तार कर खिलाड़ियों के लिए ऐसे अवसर तैयार किए जाएंगे, जहां वे अपनी प्रतिभा को निखारकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व कर सकें।

रोहन संग तलाक की खबरों के बीच

Neha ने बताई सच्चाई, क्यों लिया था Social Media से ब्रेक ?

सिंगर नेहा कक्कड़ ने बताया कि उन्होंने इस साल की शुरुआत में संगीत और सोशल मीडिया से दूर रहने का फैसला क्यों किया था। मीडिया से बात करते हुए नेहा ने कहा कि लोगों को लगा कि उनका यह फैसला उनके पति रोहनप्रीत सिंह की वजह से था . सिंगर नेहा कक्कड़ ने बताया कि उन्होंने इस साल की शुरुआत में संगीत और सोशल मीडिया से दूर रहने का फैसला क्यों किया था। मीडिया से बात करते हुए नेहा ने कहा कि लोगों को लगा कि उनका यह फैसला उनके पति रोहनप्रीत सिंह की वजह से था लेकिन असल में वह अपने भाई टोनी कक्कड़ के साथ हुई अनबन की वजह से परेशान थीं।

उन्होंने कहा, 'जब भी कोई शादीशुदा लड़की किसी रिश्ते के बारे में बात करती है, तो लोग सीधे पति का नाम ले आते हैं। जबकि मेरी लड़ाई टोनी भाई से हुई थी, और मेरे लिए संगीत का मतलब मेरे टोनी भाई ही हैं। किसी भी काम को करने के मामले में टोनी भाई और मैं बिल्कुल एक जैसे हैं, और क्योंकि टोनी भाई से मेरी जबरदस्त लड़ाई हुई थी, तो मैंने सोचा, 'मैं सब कुछ छोड़ रही हूं, मुझे कुछ नहीं करना है। यह दुनिया बुरी है', आप समझ रहे हैं न मैं क्या कह रही हूं ? नेहा ने आगे कहा कि एक कलाकार होने के नाते वह बहुत भावुक हैं, हालांकि, वह कभी भी संगीत को पूरी तरह से अलविदा नहीं कह सकती थीं। जब भाई से लड़ाई होती है, तो ऐसा ही होता है। लेकिन जाहिर है, हम सभी कलाकार हैं और हम कलाकार बहुत भावुक होते हैं। इसलिए वे भावनाएं बाहर आ गईं लेकिन मैं संगीत कभी नहीं छोड़ूंगी। मैं अपने उन फैन्स के साथ इतनी नाइंसाफी कैसे कर सकती हूं जो मुझे इतना प्यार करते हैं ? उन्होंने कहा, 'मुझे वापस आना ही था।

कुब्रा सैत का फैन गर्ल मोमेंट

कुब्रा सैत ने हाल ही में अपने चेन्नई दौरे की कुछ खास झलकियां प्रशंसकों के साथ साझा कीं, जिनमें एक ऐसा पल भी शामिल था जिसने सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींच लिया। अभिनेत्री ने शहर से अपना एक मजेदार व्लॉग शेयर किया है, जिसमें चेन्नई में बिताए गए उनके खूबसूरत पलों के साथ-साथ सुपरस्टार रजनीकांत के बंगले के बाहर का एक खास क्षण भी देखने को मिला। वीडियो में कुब्रा रजनीकांत के घर के बाहर तस्वीर खिंचवाते हुए बेहद उत्साहित नजर आ रही हैं। उन्होंने किसी आम प्रशंसक की तरह इस पल को पूरी तरह जिया। कैमरे की ओर बड़ी सी मुस्कान के साथ देखते हुए उनकी खुशी साफ झलक रही थी। हालांकि इस वीडियो में उस जगह को उन्होंने 'रजनीकांत हाउस' टेक्स्ट के साथ दिखाया भी है। इंस्टाग्राम पर यह व्लॉग साझा करते हुए कुब्रा ने कैप्शन में लिखा है, 'ओह रुको! तुमने देखा बाबा !!!' सच कहें तो उनके इस चुलबुले अंदाज और उत्साह ने इस खास फैन मोमेंट को और भी यादगार बना दिया है। वीडियो को देखने के बाद फैंस भी कुब्रा के इस सहज और दिलचस्प अंदाज को खूब पसंद कर रहे हैं। चेन्नई की गलियों को एक्सप्लोर करने से लेकर भारत के सबसे बड़े सुपरस्टार्स में से एक रजनीकांत के घर के बाहर रुकने तक, कुब्रा का यह व्लॉग उनकी ट्रैवल डायरी की मजेदार झलक पेश कर रहा है और यह भी दिखाता है कि वह दिल से रजनीकांत की बहुत बड़ी प्रशंसक हैं।

अक्षय कुमार और सैफ अली खान की फिल्म सेंसर से पास

अक्षय कुमार और सैफ अली खान की आगामी फिल्म 'हैवान' तीन दिन बाद सिनेमाघरों में सज जाएगी। इससे पहले फिल्म को सेंसर बोर्ड से हरी झंडी मिल गई है। अक्षय कुमार पर्दे पर खलनायक बन डराने आ रहे हैं। फिल्म है- 'हैवान'। करीब 17 साल बाद वे सैफ अली खान के साथ स्क्रीन साझा कर रहे हैं। दर्शकों को फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। इस बीच फिल्म को सेंसर बोर्ड ने भी पास कर दिया है। जानिए इस फिल्म की अवधि कितनी होगी?

'हैवान' को कितनी रेटिंग मिली?

अक्षय कुमार और सैफ अली खान स्टारर फिल्म 'हैवान' को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन से मंजूरी मिल गई है। बता दें कि फिल्म के निर्देशन की कमान प्रियदर्शन ने संभाली है।

कितना होगा फिल्म का रनटाइम?

यह एक सस्पेंस थ्रिलर फिल्म हैं। सैफ अली खान एक दिव्यांग की भूमिका में हैं। वे दृष्टिबाधित शख्स का रोल कर रहे हैं। अक्षय कुमार विलेन बने हैं। तरण आदर्श की एक्स पर साझा की गई पोस्ट के मुताबिक इस फिल्म की अवधि 164 मिनट 7 सेकंड होगी यानी फिल्म करीब 2 घंटे 44 मिनट तक सिनेमाघरों में चलेगी।

कबाड़ निपटान में पूर्व रेलवे देश के शीर्ष क्षेत्रों में शामिल

5 महीनों में कमाए 251.92 करोड़ रुपये

एजेंसी

कोलकाता। पूर्व रेलवे ने कबाड़ निपटान के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए देश के शीर्ष तीन जोनल रेलवे में अपना स्थान बनाया है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के पहले पांच महीनों में कबाड़ की बिक्री के माध्यम से पूर्व रेलवे ने 251.92 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया है। अधिकारियों के अनुसार, यह सफलता अनुपयोगी और पुराने सामानों की नियमित पहचान, निरंतर निगरानी और पारदर्शी निपटान प्रक्रिया के कारण संभव हो सकी है।

शनिवार को जारी बयान में रेलवे ने बताया है कि यह उपलब्धि पूर्व रेलवे के 'मिशन शून्य कबाड़ संतुलन' अभियान का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य कार्यशालाओं, डिपो, शेड, यार्ड और अन्य रेलवे परिसरों में पड़े अप्रचलित और अनुपयोगी सामानों का व्यवस्थित ढंग से निस्तारण करना है। 31 अगस्त 2026 तक निर्धारित 207.17 करोड़ रुपये के आनुपातिक लक्ष्य के मुकाबले पूर्व रेलवे ने 251.92 करोड़ रुपये जुटाए, जो लक्ष्य से 21 प्रतिशत से अधिक है। इसके साथ ही, यह चालू वित्त वर्ष के 565 करोड़ रुपये के कुल वार्षिक लक्ष्य का लगभग 45 प्रतिशत हिस्सा पहले पांच महीनों में ही हासिल कर चुका है। पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह आंकड़ा 193 करोड़ रुपये था, जिसकी तुलना में इस वर्ष 30.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

इस राजस्व संग्रह में सबसे बड़ा योगदान अप्रचलित इंजीनियरिंग और ट्रैक सामग्री की बिक्री से मिला। पूर्व रेलवे ने लगभग 11,500 मीट्रिक टन पुरानी पटरियों का निपटान कर 28.56 करोड़ रुपये प्राप्त किए। इसके अलावा, लगभग 29,055 मीट्रिक टन विविध लौह कबाड़ से 100.63 करोड़ रुपये और गैर-लौह कबाड़ से 53.65 करोड़ रुपये का राजस्व मिला।

इसके साथ ही, अनुपयोगी घोषित किए गए रोलिंग स्टॉक की नीलामी से भी काफी आय हुई। पहले पांच महीनों के दौरान 175 अनुपयोगी यात्री डिब्बों के निस्तारण से 31.87 करोड़ रुपये और 310 मालगाड़ी वैगनों की नीलामी से 11.82 करोड़ रुपये जुटाए गए।

पूर्व रेलवे के प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक संदीप शुक्ला ने बताया कि यह उपलब्धि समन्वित प्रयासों, कबाड़ की समय पर पहचान और इलेक्ट्रॉनिक नीलामी प्रणाली के माध्यम से पारदर्शी निपटान के कारण संभव हुई है। यह अभियान पूर्व रेलवे के चारों मंडलों हावड़ा, सियालदह, आसनसोल और मालदा के साथ-साथ जमालपुर, लिलुआ, हालिशहर और कांचरापाड़ा स्थित प्रमुख कार्यशालाओं और स्टोर डीपो में व्यापक स्तर पर चलाया गया।

पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम मांझी ने कहा कि कबाड़ निपटान अभियान से न केवल रेलवे को गैर-किराया राजस्व प्राप्त हो रहा है, बल्कि इससे बहुमूल्य रेलवे भूमि और भंडारण स्थल भी खाली हो रहे हैं। इससे कार्यस्थल की सुरक्षा और स्वच्छता में सुधार के साथ-साथ धातुओं के पुनर्चक्रण को भी बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्व रेलवे 'मिशन शून्य कबाड़ संतुलन' के लक्ष्य को पूरी तरह प्राप्त करने के लिए इस अभियान को आगे भी इसी गति से जारी रखेगा।

असम पुलिस ने बांग्लादेश से घुसपैठ की कोशिश नाकाम की: मुख्यमंत्री सरमा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने शनिवार को कहा कि असम पुलिस ने राज्य की सीमा के रास्ते बांग्लादेश से भारत में घुसपैठ की एक कथित कोशिश को नाकाम कर दिया।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि 10 लोग कथित तौर पर भारत में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे थे और उनका उद्देश्य सामाजिक सौहार्द को प्रभावित करना था। हालांकि, पुलिस ने समय रहते कार्रवाई करते हुए उन्हें रोक दिया।

फिल्म धुरंधर का संदर्भ देते हुए डॉ. सरमा ने संदिग्ध घुसपैठियों को ह्यधुरंधरों की 10 फर्स्ट कॉपीह्न बताया। उन्होंने कहा कि असम पुलिस ने सीमा पर तत्परता दिखाते हुए इस कोशिश को विफल कर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य पुलिस सीमा पर लगातार सतर्क है। उन्होंने असम की मूल आबादी के अस्तित्व और पहचान से जुड़े मुद्दों पर किसी भी तरह का समझौता नहीं करने की बात कही। डॉ श. सरमा ने अपने पोस्ट में ह्य10 का दमह्न का उल्लेख करते हुए कहा कि असम पुलिस हमेशा सतर्क रहेगी।

पर्यटकों के लिए खुला शांतिनिकेतन गृह, हेरिटेज वॉक में दिखेगी टैगोर की विरासत की झलक

बोलपुर । रवींद्रनाथ टैगोर की स्मृतियों और उनकी ऐतिहासिक विरासत को अपने भीतर समेटे शांतिनिकेतन में अब पर्यटकों के लिए एक और महत्वपूर्ण दरवाजा खुल गया है। 19 सितंबर 2026 से शांतिनिकेतन गृह को हेरिटेज वॉक के माध्यम से पर्यटकों के लिए खोल दिया गया है। छह साल से अधिक समय तक बंद रहने के बाद इस ऐतिहासिक भवन में पर्यटकों की आवाजाही शुरू होना शांतिनिकेतन की विरासत को करीब से जानने वालों के लिए महत्वपूर्ण खबर है। उल्लेखनीय है कि शांतिनिकेतन की खासियत यही है कि यहां इतिहास सिर्फ संग्रहालय में बंद नहीं है—यहां की मिट्टी, पेड़, भवन, संगीत, कला और शिक्षा की परंपरा आज भी टैगोर की उस सोच की कहानी सुनाती है, जिसने बोलपुर के इस छोटे से इलाके को दुनिया के सांस्कृतिक मानचित्र पर अलग पहचान दी। शांतिनिकेतन गृह को शांतिनिकेतन परिसर का सबसे पुराना ईंटों से बना मकान माना जाता है।

वर्ष 1862 में महर्षि देवेंद्रनाथ टैगोर ने इस स्थान को खरीदा था। बाद में यही परिसर टैगोर परिवार की गतिविधियों और शांतिनिकेतन के विकास का महत्वपूर्ण केंद्र बना। रवींद्रनाथ टैगोर ने वर्ष 1901 में ब्रह्मचर्याश्रम की शुरूआत की, जिसने आगे चलकर विश्वभारती की विचारधारा और शिक्षा-पद्धति की नींव तैयार की।

अब हेरिटेज वॉक के दौरान पर्यटक शांतिनिकेतन गृह को देख सकेंगे

यहां आने वाले लोगों को सिर्फ एक पुराना भवन देखने का मौका नहीं मिलेगा, बल्कि वे उस ऐतिहासिक वातावरण को महसूस कर सकेंगे, जहां से टैगोर की शिक्षा, साहित्य, कला और प्रकृति-केंद्रित विचारधारा की एक महत्वपूर्ण यात्रा आगे बढ़ी। शांतिनिकेतन आने वाले पर्यटकों के लिए उत्तरायण परिसर सबसे महत्वपूर्ण आकर्षणों में से एक है। यहां रवींद्रनाथ टैगोर से जुड़े उदयन, श्यामली, पुनश्च, कोणार्क और उदिची जैसे भवन हैं। इन भवनों की वास्तुकला एक-दूसरे से अलग है और इनमें टैगोर के जीवन, उनकी कला और उनके प्रयोगों की झलक दिखाई देती है। विश्वभारती की योजना के अनुसार पूजा की छुट्टियों के बाद इन ऐतिहासिक भवनों को भी पर्यटकों के लिए खोलने की दिशा में काम किया जा रहा है। इससे आने वाले समय में शांतिनिकेतन का हेरिटेज सर्किट और विस्तृत हो सकता है। शांतिनिकेतन की पहचान केवल टैगोर के आवासीय भवनों से नहीं है। यहां छातिमतला, उपासना गृह, बकुलबीथि, घंटातला, आम्रकुंज, पाठ भवन और सिंह सदन जैसे कई ऐतिहासिक स्थल हैं। उपासना गृह अपनी कांच की दीवारों और विशिष्ट वास्तुकला के कारण आकर्षण का केंद्र है। वहीं छातिमतला शांतिनिकेतन के शुरूआती आध्यात्मिक इतिहास से जुड़ा महत्वपूर्ण स्थल है। आम के पेड़ों से घिरा आम्रकुंज और खुले वातावरण में शिक्षा की परंपरा यह बताती है कि टैगोर की नजर में शिक्षा केवल कक्षा और किताबों तक सीमित नहीं थी। रवींद्रनाथ टैगोर ने शांतिनिकेतन में ऐसी शिक्षा व्यवस्था की कल्पना की जिसमें प्रकृति, संगीत, साहित्य, चित्रकला, नृत्य और संस्कृति को शिक्षा का हिस्सा बनाया गया। खुले वातावरण में पढ़ाई और प्रकृति के बीच सीखने की परंपरा शांतिनिकेतन की सबसे अलग पहचान बनी। इसी सोच ने आगे चलकर शांतिनिकेतन को भारतीय और अंतरराष्ट्रीय कला-संस्कृति के महत्वपूर्ण केंद्रों में शामिल किया। कला भवन और संगीत भवन ने इस सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शांतिनिकेतन की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्ता को अंतरराष्ट्रीय पहचान तब मिली, जब 2023 में इसे यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया। यूनेस्को ने शांतिनिकेतन को टैगोर की शिक्षा और मानवतावादी विचारों से विकसित उस परिसर के रूप में मान्यता दी, जहां प्रकृति, कला और शिक्षा का अनूठा मेल देखने को मिलता है। अब 19 सितंबर से शांतिनिकेतन गृह को हेरिटेज वॉक में शामिल किए जाने के बाद पर्यटकों को इस विरासत को और करीब से देखने का अवसर मिलेगा।

फर्जी आईडी से वोट डालने पहुंची एनएसयूआई कार्यकर्ता पकड़ी गई, भाजपा ने राहुल गांधी पर साधा निशाना

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (डूसू) चुनाव के दौरान लॉ सेंटर पर फर्जी आईडी कार्ड के जरिए वोट डालने पहुंची नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) से जुड़ी एक छात्रा को पकड़ा गया। भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया सह-संयोजक सिद्धार्थ यादव ने इस मामले को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी लगातार ह्यवोट चोरीह्न का मुद्दा उठाते हैं, जबकि उनकी छात्र इकाई एनएसयूआई से जुड़ी कार्यकर्ता फर्जी आईडी के साथ वोट डालने पहुंची और पकड़ी गई। सिद्धार्थ यादव ने कहा कि राहुल गांधी को छात्रों और युवाओं से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनाए रखना सभी राजनीतिक दलों और छात्र संगठनों की जिम्मेदारी है। उल्लेखनीय है कि डूसू चुनाव के लिए शुक्रवार को वोट डाले गए थे। आज वोटों की गिनती जारी है ।

देश में यूसीसी से खत्म होगी तुष्टिकरण की राजनीति : संजय शर्मा

धर्मशाला । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के हालिया वक्तव्य का स्वागत करते हुए प्रदेश भाजपा प्रवक्ता संजय शर्मा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश विकास और सामाजिक न्याय के एक नए युग में प्रवेश कर चुका है। संजय शर्मा ने कहा कि देश में लंबे समय से लंबित 'समान नागरिक संहिता' (यूसीसी) को लेकर मोदी सरकार का संकल्प ऐतिहासिक है। 2029 के लोकसभा चुनावों से पहले देश के सभी 21 भाजपा एवं एनडीए शासित राज्यों में इसे चरणबद्ध तरीके से लागू कर दिया जाएगा

और आने वाले समय में यह पूरे देश में प्रभावी होगी। शनिवार को जारी एक प्रेस बयान में उन्होंने कहा कि वर्ष 2029 से पहले सभी एनडीए शासित राज्यों में समान नागरिक संहिता लागू की जाएगी। आने वाले समय में यह कानून पूरे देश में लागू होगा, जिससे हर नागरिक को समान अधिकार और कानून का संरक्षण मिलेगा। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद तुष्टिकरण की राजनीति के तहत कांग्रेस पार्टी ने समान कानून न बनाकर जो 'सबसे बड़ी ऐतिहासिक गलती' की थी, उसे सुधारने का काम मोदी सरकार और भाजपा कर रही है। तीन तलाक को समाप्त करने के बाद अब यूसीसी लागू होने से सभी वर्गों की महिलाओं को बराबरी का अधिकार और सम्मान मिलेगा। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 को हटाना, आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस, और नक्सलवाद का सफाया—ये मोदी सरकार की ऐतिहासिक इच्छाशक्ति का प्रमाण हैं। हिमाचल भाजपा प्रवक्ता संजय शर्मा ने कहा कि समान नागरिक संहिता देश की अखंडता, सामाजिक समरसता और समानता के लिए अत्यंत आवश्यक है। देश की जनता का अटूट विश्वास और समर्थन इस ऐतिहासिक सुधार के साथ है।

बिहार के 29 जिलों में बनेंगे हाईटेक परीक्षा भवन-सह-वज्रगृह, 330.07 करोड़ की पहल से विद्यार्थियों को मिलेगी बेहतर परीक्षा सुविधा

पटना। बिहार में विद्यार्थियों को बेहतर परीक्षा सुविधा उपलब्ध कराने, विद्यालयों में पठन-पाठन को निर्बाध बनाए रखने तथा परीक्षा एवं अन्य संवेदनशील प्रशासनिक कार्यों के लिए आधुनिक आधारभूत संरचना विकसित करने की दिशा में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के निर्देशों के अनुरूप बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा राज्य के 29 जिलों में 29 बहुउद्देशीय हाईटेक परीक्षा भवन-सह-वज्रगृह के निर्माण की कार्रवाई की जा रही है। इस परियोजना पर लगभग 330 करोड़ 7 लाख 13 हजार 343 रुपये की लागत आएगी।

इस संबंध में बिहार के विकास आयुक्त मिहिर कुमार सिंह ने बताया कि 27 जिलों में 29 स्थानों पर चार मंजिला (जी+3) परीक्षा भवन-सह-वज्रगृह का निर्माण कराया जाएगा। प्रत्येक परीक्षा भवन के लिए लगभग 1 से 1.5 एकड़ भूमि चिह्नित की गई है। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के अध्यक्ष डॉ त्यागराजन एस एम के नेतृत्व में समिति द्वारा परीक्षा व्यवस्था को अधिक सुव्यवस्थित और आधुनिक बनाने की दिशा में यह आधारभूत संरचना विकसित की जा रही है।

वर्तमान में बिहार लोक सेवा आयोग, बिहार कर्मचारी चयन आयोग, बिहार तकनीकी सेवा आयोग, बिहार पुलिस अधीनस्थ सेवा आयोग तथा अन्य विभागों/आयोगों द्वारा जिला स्तर पर विभिन्न परीक्षाएं विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में आयोजित की जाती हैं। ऐसे में समर्पित परीक्षा भवन उपलब्ध होने से परीक्षा आयोजन के लिए शिक्षण संस्थानों पर निर्भरता कम होगी।

एक साथ 4,000 परीक्षार्थियों के लिए सुविधा : प्रस्तावित परीक्षा भवनों में एक साथ लगभग 4,000 परीक्षार्थी सीसीटीवी की निगरानी में परीक्षा दे सकेंगे। परीक्षा के बाद इन भवनों में उत्तरपुस्तिकाओं का भंडारण किया जा सकेगा तथा इन्हें मूल्यांकन केंद्र के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकेगा। आवश्यकता के अनुसार उत्तरपुस्तिकाओं की बारकोडिंग एवं स्कैनिंग की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा सकेगी।

पहले से 09 प्रमंडलीय मुख्यालयों में परीक्षा भवन संचालित

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा राज्य के 09 प्रमंडलीय मुख्य जिलों में पूर्व में परीक्षा भवन-सह-क्षेत्रीय कार्यालयों का निर्माण कराया जा चुका है। इनका उपयोग ऑनलाइन परीक्षा केंद्र, गैर-आवासीय नि:शुल्क कोचिंग तथा समिति के क्षेत्रीय कार्यालय के रूप में किया जा रहा है। अब शेष 29 जिलों में 29 परीक्षा भवन-सह-वज्रगृहों के निर्माण से राज्य में परीक्षा आयोजन के लिए समर्पित आधारभूत संरचना का और विस्तार होगा।

सौ फीसदी टैरिफ वाले रूस-ईरान प्रतिबंध बिल पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने किए हस्ताक्षर

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को 'लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026' पर हस्ताक्षर करके इसे कानून बना दिया है। नया कानून अमेरिकी राष्ट्रपति को रूस से कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस खरीदने वाले देशों पर सौ फीसदी तक आयात शुल्क (टैरिफ) लगाने का व्यापक अधिकार देता है।ब्रिटिश समाचार पत्र द गार्डियन के मुताबिक 'लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026' पर अमेरिकी राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद यह कानून बन गया है।

न्यूज IN ब्रीफ

गंगा का जलस्तर 52 सेंटीमीटर घटा, चेतावनी बिंदु से नीचे पहुंचा

कानपुर । उत्तर प्रदेश के जनपद कानपुर में गंगा के जलस्तर में शनिवार को एक बार फिर गिरावट दर्ज की गई। कानपुर बैराज के अपस्ट्रीम में जलस्तर 113.570 मीटर रहा, जो शुक्रवार के 114.090 मीटर से 52 सेंटीमीटर कम है। डाउनस्ट्रीम का जलस्तर भी 113.120 मीटर दर्ज हुआ, जो शुक्रवार के 113.630 मीटर से 51 सेंटीमीटर नीचे है। अपस्ट्रीम जलस्तर अब चेतावनी बिंदु 114 मीटर से 43 सेंटीमीटर नीचे है। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि गंगा के जलस्तर में लगातार कमी आ रही है, फिर भी प्रशासन पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए है। तटीय और संवेदनशील क्षेत्रों में अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि जलस्तर और आसपास के हालात की लगातार निगरानी की जा रही है, ताकि जरूरत पड़ने पर तत्काल आवश्यक कदम उठाए जा सकें। बैराज पर पानी का डिस्चार्ज 2,91,413 क्यूसेक रहा, जबकि शुक्रवार को यह 3,46,893 क्यूसेक था। इसमें 55,480 क्यूसेक की कमी आई है। शुक्लागंज में जलस्तर 112.120 मीटर दर्ज हुआ, जो शुक्रवार के 113.060 मीटर से 94 सेंटीमीटर कम है। हरिद्वार बैराज से 52,313 क्यूसेक और नरौरा बैराज से 48,653 क्यूसेक डिस्चार्ज दर्ज किया गया। जलस्तर में गिरावट के बाद गंगा अब चेतावनी बिंदु से नीचे बह रही है।

नेपाल के संविधान दिवस पर भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दी बधाई

काठमांडू। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने नेपाल के संविधान दिवस के अवसर पर बधाई संदेश दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए विदेश मंत्री शिशिर खनाल के नाम का उल्लेख कर संविधान दिवस के अवसर पर बधाई दी। विदेश मंत्री जयशंकर ने लिखा, ₹नेपाल के राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर विदेश मंत्री शिशिर खनाल, नेपाल सरकार तथा समस्त नेपाली जनता को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि भारत दोनों देशों के बीच संबंधों को और अधिक मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। जयशंकर ने कहा, ₹हम अपनी गहरी और स्थायी मित्रता को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

कर्मचारी भविष्य निधि के लिए वेतन सीमा बढ़ाये जाने का भारतीय मजदूर संघ ने किया स्वागत

कोलकाता । कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के तहत अनिवार्य सदस्यता के लिए वेतन सीमा को 15 हजार रुपये से बढ़ाकर 25 हजार रुपये किए जाने के केंद्र सरकार के फैसले का भारतीय मजदूर संघ ने स्वागत किया है। भारतीय मजदूर संघ के नेता और खदान श्रमिक कांग्रेस के महासचिव महेंद्र गुप्ता ने केंद्र सरकार के इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि कर्मचारी भविष्य निधि की वेतन सीमा बढ़ाने की मांग लंबे समय से उठाई जा रही थी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से वेतन सीमा 15 हजार रुपये पर ही बनी हुई थी। भारतीय मजदूर संघ की ओर से इस सीमा में बढ़ोतरी की मांग को लेकर लगातार सरकार के समक्ष ज्ञापन, संवाद, संगठनात्मक कार्यक्रम, प्रदर्शन और धरने के माध्यम से आवाज उठाई जाती रही है। शनिवार को कोलकाता में आयोजित एक कार्यक्रम में महेंद्र गुप्ता ने कहा कि 25 मार्च 2026 को आयोजित धरना कार्यक्रम और उसके बाद 17 अगस्त 2026 को देशव्यापी प्रदर्शन के दौरान कर्मचारी भविष्य निधि की वेतन सीमा बढ़ाने सहित श्रमिकों से जुड़े कई लंबित मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया था। संगठन की ओर से संबंधित अधिकारियों तथा केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया के साथ हुई बैठकों में भी कर्मचारी भविष्य निधि, कर्मचारी राज्य बीमा तथा श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा से जुड़े विषयों पर चर्चा की गई थी। उन्होंने कहा कि वेतन सीमा 15 हजार से बढ़ाकर 25 हजार रुपये किए जाने से 15 हजार से 25 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन पाने वाले कर्मचारियों के एक बड़े वर्ग को अनिवार्य सामाजिक सुरक्षा के दायरे में आने का अवसर मिलेगा। इससे भविष्य निधि बचत, कर्मचारी पेंशन योजना और कर्मचारी जमा लिंक्ड बीमा योजना जैसी सामाजिक सुरक्षा सुविधाओं का लाभ अधिक श्रमिकों तक पहुंच सकेगा।

फसल बीमा योजना में पश्चिम बंगाल पूरे देश में दूसरे स्थान पर, पहले चरण में 32 लाख किसानों का पंजीकरण

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में नई सरकार गठन के बाद फसल बीमा योजना के अंतर्गत 32 लाख किसानों का पंजीकरण किया जा चुका है। इस आंकड़े के साथ पश्चिम बंगाल पूरे देश में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार सुबह सोशल मीडिया हैंडल एक्स के माध्यम से यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फसल बीमा योजना के लिए पंजीकरण के पहले ही चरण में किसानों की ओर से अभूतपूर्व प्रतिक्रिया मिली है। हालिया बाढ़ से प्रभावित किसानों की वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 2026 के खरीफ मौसम में त्वरित कदम उठाए गए हैं। 15 सितंबर 2026 तक एक व्यवस्थित प्रक्रिया के तहत कुल 32 लाख किसानों को इस बीमा योजना के दायरे में लाया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि बाढ़ प्रभावित जिलों में किसानों के पंजीकरण को लेकर भी आंकड़े काफी सकारात्मक रहे हैं। विशेष रूप से पूर्व मेदिनीपुर में 7.23 लाख, पश्चिम मेदिनीपुर में 4.73 लाख, हुगली में 1.68 लाख और झाड़ग्राम में 42 हजार किसानों का सफलतापूर्वक पंजीकरण किया गया है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के किसानों की सुविधा के लिए अगस्त से 15 सितंबर तक हर ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष शिविर लगाए गए थे, ताकि उन्हें सीधे बीमा कवर के तहत लाकर नुकसान के मुआवजे का मार्ग प्रशस्त किया जा सके। किसानों पर से आर्थिक बोझ कम करने के लिए राज्य सरकार प्रीमियम का अधिकांश हिस्सा अपने बजट से वहन कर रही है। नए नियमों के अनुसार, एक हेक्टेयर (ढाई एकड़) तक की कृषि भूमि वाले किसानों को केवल एक रुपये की प्रतीकात्मक राशि का भुगतान करना होगा।

न्यूज IN ब्रीफ

दो दिन से लापता व्यक्ति का कुएं में मिला शव, जांच में जुटी पुलिस

गुमलाः भरनो थाना क्षेत्र के रायकेरा गांव में शनिवार सुबह सड़क किनारे स्थित एक कुएं में 58 वर्षीय बंधना उरांव का शव तैरता हुआ मिला। शव मिलने की खबर फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। इस दौरान ग्रामीणों ने घटना की सूचना भरनो पुलिस को दी।

मृतक बंधना उरांव भंडरा थाना क्षेत्र के सेमरा गांव का रहने वाला था। वह पिछले कुछ समय से रायकेरा गांव में अपनी बहन के घर रह रहा था। परिजनों के अनुसार, बंधना उरांव की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी और वह पिछले दो दिनों से लापता था। परिजन और ग्रामीण उसकी तलाश कर रहे थे।

पुलिस ने शव को कब्जे में लियाः शनिवार सुबह ग्रामीणों ने सड़क किनारे स्थित कुएं में शव को तैरते हुए देखा। इसके बाद घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही भरनो थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कुएं से बाहर निकलवाकर कब्जे में लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और घटना के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

मछली पकड़ने के दौरान नदी में डूबने से बुजुर्ग की मौत

भवनाथपुर (गढ़वा): थाना क्षेत्र के बुका गांव निवासी 71 वर्षीय रामनाथ भुईया की शुक्रवार शाम नदी में डूबने से मौत हो गई। बताया गया कि रामनाथ भुईया मछली पकड़ने के लिए नदी में गए थे। इसी दौरान अचानक उन्हें मिर्गी का दौरा पड़ गया। दौरा पड़ने के कारण वह नदी में गिर गए और पानी में डूब गए, जिससे उनकी मौत हो गई।

मछली पकड़ने के दौरान अचानक पड़ा दौराः जानकारी के अनुसार, रामनाथ भुईया शुक्रवार शाम मछली पकड़ने के लिए नदी की ओर गए थे। वह नदी में मछली पकड़ रहे थे, इसी दौरान अचानक उन्हें मिर्गी का दौरा पड़ गया। इससे वह अपना संतुलन नहीं संभाल सके और नदी के पानी में गिर गए। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों को इसकी जानकारी हुई, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

मौके पर पहुंची भवनाथपुर थाना पुलिसः घटना की सूचना मिलते ही भवनाथपुर थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस की मौजूदगी में शव को नदी से बाहर निकाला गया। इसके बाद थाना के एएसआई जगबंधु महतो ने शव का पंचनामा तैयार किया। पुलिस ने आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए गढ़वा भेज दिया।

घटना की जानकारी मिलने के बाद भवनाथपुर की मुखिया बेबी देवी और झारखंड मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष अरविंद यादव भी घटनास्थल पर पहुंचे। दोनों ने हादसे पर दुख जताया। घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में भी शोक का माहौल है।

मुर्गा फार्म चोरी मामले में दो गिरफ्तार

चतरा : बीते 10 अप्रैल को हंटरगंज थाना क्षेत्र के बिन्दयाही, टोला सागासोत निवासी सहेन्द्र यादव के मुर्गा फार्म में अज्ञात चोरों के द्वारा की गई चोरी का पुलिस ने उद्भेदन कर दिया है। पुलिस ने मामले में शामिल दो चोरों को गिरफ्तार कर लिया।आपको बताते चलें कि शातिर चोरों ने मुर्गा फार्म से मोटरसाईकिल, इन्वर्टर-बैट्री, काँटा मशीन, 03 मोबाईल एंव मुर्गा चोरी की घटना को अंजाम दिया था। इस संदर्भ में आवेदक सहेन्द्र यादव के लिखित आवेदन के आधार पर हंटरगंज थाना कांड सं0-49/26, दिनांक-11।04।26, धारा-331(4)/305/3(5) बीएनएस दर्ज किया गया था। गुरुवार को आयोजित प्रेस वार्ता में चतरा एसडीपीओ सन्नी वर्धन ने बताया कि अनुसंधान के क्रम में टेक्निकल साक्ष्य के आधार पर जावादोहर गांव के दीपक कुमार (22 वर्ष) पे-बसंत भारती एंव नागेन्द्र कुमार भुईया (20 वर्ष) पे०-सुदय भुईया को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि पुछताछ के उपरांत दोनों अभियुक्तों के निशानदेही पर दुन्दु के बंद खदान के पानी भरे गड्ढे से चोरी की गई विवो कंपनी का मोबाईल एंव स्पलेण्डर मोटरसाईकिल का खुला हुआ पार्टस एवं ईंजन को बरामद किया गया। इस कांड के अन्य फरार अभियुक्तों के गिरफ्तारी हेतु छापामारी जारी है।छापेमारी दल में पुलिस निरीक्षक बिपिन कुमार,पुअनि सह थाना प्रभारी संदीप कुमार, सअनि सुनिल कुमार दुबे एवं टेक्निकल टीम तथा हंटरगंज थाना सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

केंद्रीय दुर्गा पूजा महासमिति की वार्षिक बैठक 20 को

मेदिनीनगर : श्री केंद्रीय दुर्गा पूजा महासमिति,पलामू की वार्षिक बैठक 20 सितंबर, रविवार को आयोजित होगी। बैठक सदर अस्पताल रोड स्थित दुर्गा मंडप,गीता भवन के बगल में,दोपहर 12:15 बजे से होगी।

बैठक में महासमिति के वार्षिक चुनाव,आगामी दुर्गोत्सव की तैयारियों, आयोजन की व्यवस्थाओं तथा अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया जाएगा।दुर्गोत्सव के सफल एवं व्यवस्थित आयोजन को लेकर बैठक में आवश्यक दिशा-निर्देश एवं आगामी कार्ययोजना पर भी चर्चा होने की संभावना है।

महासमिति के अध्यक्ष दुर्गा जौहरी एवं उपाध्यक्ष नवीन तिवारी ने संयुक्त रूप से महासमिति के सभी पदाधिकारियों एवं सम्मानित सदस्यों से बैठक में निर्धारित समय पर अनिवार्य रूप से उपस्थित होने की अपील की है।

उन्होंने कहा कि दुर्गोत्सव केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि पलामू की सामाजिक एवं सांस्कृतिक परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है।इसकी गरिमा,व्यवस्था और भव्यता को बनाए रखने के लिए सभी सदस्यों की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है।

अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष ने सदस्यों से अपील की कि वे समय पर पहुंचकर बैठक में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें,ताकि आगामी दुर्गोत्सव की तैयारियों को लेकर सामूहिक रूप से ठोस निर्णय लिए जा सकें।

श्रीमद्भागवत कथा के छठवें दिन, कृष्ण-रुक्मिणी विवाह बना श्रद्धा और भक्ति का केंद्र

बिनय मिश्रा

स्थानीय, थाना रोड गायत्री कुंज में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के छठवें दिन श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह प्रसंग का भव्य आयोजन हुआ। कथा के दौरान कृष्ण-रुक्मिणी विवाह के जीवंत दृश्य प्रस्तुत किए गए, जिसने उपस्थित श्रद्धालुओं का मन मोह लिया।

विवाह प्रसंग में श्रीकृष्ण का स्वरूप श्रवण भगेरिया ने धारण किया, जबकि उनकी पत्नी ने रुक्मिणी का स्वरूप धारण कर विवाह दृश्य को सजीव कर दिया। दोनों के पारंपरिक वेशभूषा और विवाह की रस्मों के जीवंत प्रस्तुतीकरण से कथा स्थल पर भक्तिमय वातावरण बन गया।

श्रीकृष्ण और रुक्मिणी के विवाह का प्रसंग सामने आते ही श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। भजनों और धार्मिक वातावरण के बीच श्रद्धालु श्रद्धा से झूमते नजर आए। विवाह की झांकी और प्रसंग ने उपस्थित लोगों को भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मिणी के दिव्य विवाह की अनुभूति कराई।

कथा के छठवें दिन का यह प्रसंग श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा और पूरे कथा परिसर में भक्ति एवं उल्लास का माहौल बना रहा।

विमला प्रधान के निधन पर मुख्यमंत्री ने जताया शोक

सिमडेगा/रांची : सिमडेगा की राजनीति में लंबे समय तक सक्रिय रहीं पूर्व विधायक एवं पूर्व मंत्री विमला प्रधान का शुक्रवार रात करीब 8:40 बजे रांची के सैमफोर्ड अस्पताल में निधन हो गया। तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली।

विमला प्रधान के निधन की खबर सामने आते ही सिमडेगा के राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। उनके निधन पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गहरा दुख जताया और शोक संवेदना व्यक्त की।

मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में विमला प्रधान को झारखंड की वरिष्ठ नेता बताते हुए कहा कि उनका निधन राज्य की राजनीति के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में विमला प्रधान का योगदान हमेशा स्मरणीय रहेगा।

मुख्यमंत्री ने शोकाकुल परिजनों, समर्थकों और शुभचिंतकों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति की कामना की। साथ ही उन्होंने ईश्वर से परिजनों को इस कठिन समय में दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। विमला प्रधान ने वर्ष 2009 में भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर सिमडेगा विधानसभा सीट से पहली बार जीत दर्ज की थी। इसके बाद वर्ष 2014 में उन्होंने लगातार दूसरी बार विधानसभा चुनाव में जीत हासिल की।

अपने लंबे राजनीतिक सफर के दौरान विमला प्रधान ने मंत्री पद की जिम्मेदारी भी संभाली। सिमडेगा की राजनीति में वह लंबे समय तक सक्रिय रहीं और क्षेत्र के राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

राधा अष्टमी पर श्रद्धा और भक्ति का माहौल

संवाददाता

राधा अष्टमी के पावन अवसर पर शहर सहित विभिन्न क्षेत्रों में श्रद्धा और भक्ति का माहौल देखने को मिला मंदिर में विशेष पूजा अर्चना भजन कीर्तन एवं धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया सुबह से ही श्रद्धालु राधा रानी के दर्शन और पूजा अर्चना के लिए मंदिरों में पहुंचे।

राधा अष्टमी को लेकर बच्चों और युवाओं में भी खास उत्साह देखने को मिला कई जगह पर बच्चों ने राधा कृष्ण का मनमोहक रूप धारण कर सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लिया भक्ति गीतों और जयकारों से पूरा वातावरण भक्ति में बना रहा।

श्रद्धालुओं का कहना है कि राधा रानी प्रेम भक्ति और समर्पण की प्रतीक है राधा अष्टमी का पर्व लोगों को प्रेम करुणा और भक्ति के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है।

हादसे का शिकार हुई नयी ऑटो मालिक की मौत, 5 घायल

संवाददाता

चतरा : चतरा में खुशियों का माहौल उस वक्त मातम में बदल गया, जब महज तीन दिन पहले खरीदी गई ऑटो भीषण हादसे का शिकार हो गई। इटखोरी स्थित मां भद्रकाली मंदिर में पूजा-अर्चना कर लौट रहे ऑटो मालिक राकेश यादव की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। यह हादसा सदर थाना क्षेत्र के गंधरिया मोड़ के समीप एक सरकारी विद्यालय के पास हुआ। जानकारी के अनुसार, ऑटो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे झुकी बरगद की टहनी से टकरा गई। इस भीषण टक्कर में राजपुर थाना क्षेत्र के कोल्हैया गांव निवासी राकेश यादव ने दम तोड़ दिया। ऑटो में सवार उनके रिश्तेदारों में दो बच्चों सहित पांच लोग– गायत्री देवी, विनय कुमार, शिवानी कुमारी, रुपनी देवी और मुनिया देवी– गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सदर थाना प्रभारी अनिल उरांव ने बताया कि पुलिस ने घायलों को त्वरित इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस हादसे के विस्तृत कारणों की जांच कर रही है। इस घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे गांव में शोक की लहर है।

सैप सूबेदार ने खुद को मारी गोली, मौत

संवाददाता

पलामू : जिले के नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र के डागरा पुलिस पिकेट से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है. यहाँ पिकेट में तैनात सैप के सूबेदार बुचुन पाल ने अपनी ही सर्विस राइफल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली है. आज शनिवार की सुबह हुई इस घटना से पूरे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया.

अचानक चली गोली की तेज आवाज सुनकर जब साथी जवान तुरंत मौके पर पहुंचे, तो उन्होंने सूबेदार को मृत पाया. घटना की सूचना मिलते ही छतरपुर डीएसपी प्रशांत कुमार दल-बल के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुँचे और पूरे मामले की गंभीरता से छानबीन शुरू कर दी है. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है.

शुरूआती जाँच में मामला मानसिक तनाव या निजी कारणों से जुड़ा हुआ प्रतीत हो रहा है, हालांकि पुलिस हर संभावित एंगल से गहराई से जाँच कर रही है. पिकेट पर तैनात अन्य जवानों से भी पूछताछ की जा रही है और मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है. हालांकि अब तक आधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं की गई है कि किन कारणों से खुद को गोली मारी है.

30 नवंबर तक छोटे विकास कार्य पूरे करने का निर्देश

संवाददाता

पटना : मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शुक्रवार को लोक सेवक आवास स्थित ह्यसंकल्पह्न सभागार में सेवा संकल्प एवं कायाकल्प अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने ह्यकायाकल्पह्न पोर्टल का भी लोकार्पण किया। अभियान का उद्देश्य सार्वजनिक सुविधाओं एवं परिसंपत्तियों को बेहतर और स्वच्छ बनाना तथा आवश्यक नई आधारभूत संरचनाओं का निर्माण करना है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को निर्देश दिया कि पूर्व से मौजूद परिसंपत्तियों के उन्नयन, सुदृढ़ीकरण और मरम्मती से जुड़े कार्य 30 नवंबर 2026 तक हर हाल में पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि संभव हो तो इन कार्यों को दीपावली से पहले ही पूरा कर लिया जाए। वहीं, नई आधारभूत संरचनाओं और परिसंपत्तियों के निर्माण का लक्ष्य 31 मार्च 2027 निर्धारित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंचायत स्तर पर छोटे-छोटे विकास कार्यों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। विद्यालयों की रंगाई-पुताई, आंगनबाड़ी केंद्रों, सामुदायिक भवनों, स्वास्थ्य केंद्रों और छात्रावासों में लंबित आवश्यक कार्यों को तय समय-सीमा में पूरा किया जाए। अंबेडकर छात्रावास, कपूर्री ठाकुर छात्रावास सहित अन्य छात्रावासों में आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ह्यकायाकल्पह्न पोर्टल पर विभिन्न विभागों से संबंधित योजनाओं की प्रगति, पूर्ण किए गए कार्यों और अन्य जरूरी जानकारियां उपलब्ध रहेंगी। पोर्टल के साथ कायाकल्प मोबाइल ऐप के माध्यम से भी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की जा सकेगी। इससे योजनाओं की निगरानी आसान होगी और लंबित कार्यों में तेजी लाने में मदद मिलेगी।

युवाओं को नशा मुक्ति का दिया गया संकल्प

हजारीबाग : मार्खम कॉलेज ऑफ कॉमर्स की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई-एक के तत्वावधान में शुक्रवार को विवेकानंद सभागार में भारत युवा कनेक्ट विषय पर एक दिवसीय संवादात्मक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं और एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।कार्यक्रम की अध्यक्षता अर्थपाल डॉ विनय कुमार बैठा ने की। उन्होंने युवाओं को राष्ट्र की रीढ़ बताते हुए कहा कि उनकी सकारात्मक ऊर्जा आत्मनिर्भर और सशक्त भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

सुबोध भैया : पलामू की मिट्टी से राष्ट्रीय क्षितिज तक

हृदयानंद मिश्र

पलामू की मिट्टी ने देश और समाज को अनेक प्रतिभाएं दी हैं, लेकिन कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं जिनकी पहचान किसी पद, चुनाव या राजनीतिक ८ङ्ग४दायरे से बहुत बड़ी होती है। सुबोध कांत सहाय मेरे लिए ऐसे ही व्यक्तित्व हैं– पलामू की मिट्टी के लाल, राष्ट्रीय राजनीति के दिग्गज और मेरे लिए सदैव बड़े भाई। डाल्टनगंज में मेरा बचपन जिन लोगों के सानिध्य में बीता, उनमें सुबोध भैया का स्थान अत्यंत आत्मीय रहा है। उनके सानिध्य में मैंने केवल राजनीति को नहीं देखा, बल्कि जीवन को देखने की एक सहज दृष्टि भी सीखी। उन्होंने मुझे हमेशा छोटे भाई का स्नेह दिया और मैंने भी उन्हें सदैव बड़े भाई की तरह सम्मान दिया।

पलामू से निकलकर रांची का विधायक बनना, फिर सांसद बनना और केंद्र सरकार में चार बार मंत्री के रूप में जिम्मेदारी निभाना किसी भी पलामूवासी के लिए गौरव का विषय है। उनके राजनीतिक सफर की यह लंबी यात्रा अपने आप में एक ऐसी मिसाल है, जिसे दोहराना आसान नहीं होगा।

आज भी उनकी वरिष्ठता का उल्लेख इसलिए महत्वपूर्ण है कि वे उन विरल राजनेताओं में हैं जिनका सार्वजनिक जीवन कई दशकों तक निरंतर सक्रिय रहा। विधायक रहे हों, सांसद रहे हों या केंद्रीय मंत्री–हर भूमिका में उनकी पहचान सादगी, सहजता और आत्मीयता से बनी रही।

मेरे लिए सुबोध भैया की सबसे बड़ी पूंजी उनका पद नहीं, बल्कि उनका स्वभाव है। सत्ता के ऊंचे पदों तक पहुंचने के बाद भी उनका व्यवहार आम आदमी से जुड़ा रहा। यह केवल राजनीतिक शैली नहीं है; यह संस्कार है। और मेरा मानना है कि उनके व्यक्तित्व में यह संस्कार उनकी पारिवारिक विरासत का हिस्सा है।

राजनीति से आगे, संस्कृति तक

सुबोध भैया का व्यक्तित्व केवल राजनीति तक सीमित नहीं रहा। डाल्टनगंज के सांस्कृतिक जीवन को समृद्ध करने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जय जवान संघ द्वारा आयोजित दिलीप कुमार नाइट, मोहम्मद रफी नाइट और मुकेश नाइट जैसे कार्यक्रमों में उनकी सक्रिय भूमिका आज भी याद की जाती है। उन आयोजनों ने डाल्टनगंज के सांस्कृतिक जीवन में एक अलग पहचान बनाई थी।

एक अवसर पर मैंने साहित्य समाज के मैदान में एक कार्यक्रम आयोजित किया था। सुबोध भैया अपने साथ अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा को लेकर आए। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया, लोगों का मनोरंजन किया और पुरस्कार वितरण भी किया। उस दौर में किसी राष्ट्रीय ख्याति के कलाकार को डाल्टनगंज लाना केवल मनोरंजन का कार्यक्रम नहीं था; वह शहर के आत्मविश्वास और सांस्कृतिक ऊर्जा को बढ़ाने वाला अवसर था।

और दिलीप कुमार नाइट तो डाल्टनगंज के सांस्कृतिक इतिहास का एक यादगार अध्याय है। बिहार में दिलीप कुमार के आगमन से जुड़ी वह स्मृति आज भी मेरे मन में जीवित है। सुबोध भैया के आत्मीय संबंधों के कारण दिलीप साहब से मेरा भी

ऐसा रिश्ता बना कि वे मुझे पुत्रवत स्नेह देने लगे। यह मेरे जीवन की उन स्मृतियों में है जिसे मैं कभी भुला नहीं सकता।

भुवनेश्वर प्रसाद वर्मा की सांस्कृतिक यात्रा में भी एक अदृश्य भूमिका

स्वर्गीय भुवनेश्वर प्रसाद वर्मा को सांस्कृतिक क्षेत्र में जो पहचान और प्रतिष्ठा मिली, उसके पीछे भी सुबोध भैया के सहयोग और संरक्षण की भूमिका को भुलाया नहीं जा सकता।

किसी कलाकार को मंच मिल जाना एक बात है, लेकिन उसकी प्रतिभा को पहचानकर उसे आगे बढ़ाना दूसरी बात। सुबोध भैया ने अनेक प्रतिभाओं के लिए यही काम किया। उनकी दृष्टि केवल राजनीति के लोगों तक सीमित नहीं थी; वे कला, संस्कृति और सामाजिक जीवन की प्रतिभाओं को भी महत्व देते थे।

रिश्ते पद से नहीं, दिल से बनते हैं

सुबोध भैया के साथ मेरा रिश्ता किसी राजनीतिक पद या संगठनात्मक समीकरण का रिश्ता नहीं है। यह दशकों की आत्मीयता से बना रिश्ता है।

उन्होंने मुझे छोटे भाई की तरह स्नेह दिया और अनेक अवसरों पर सार्वजनिक जीवन में मेरा सम्मान भी बढ़ाया। कल ही नामकुम प्रखंड के अंतर्गत एक मेडिकल कॉलेज के भूमि-पूजन कार्यक्रम में उन्होंने मुझे अपने साथ लेकर न केवल आत्मीयता दिखाई, बल्कि वहां मेरा भी सम्मान और परिचय कराया। बड़े भाई का इससे बड़ा स्नेह और क्या हो सकता है कि वह स्वयं आगे बढ़ते हुए अपने छोटे भाई को भी साथ लेकर चले।

यह उनके व्यक्तित्व की खासियत है–वे संबंधों को केवल निजी दायरे में नहीं रखते, उन्हें सार्वजनिक सम्मान भी देते हैं।

पलामू के लिए एक जीवित विरासत

पलामू के लिए सुबोध कांत सहाय केवल एक पूर्व विधायक, सांसद या केंद्रीय मंत्री का नाम नहीं हैं। वे उस पीढ़ी की जीवित कड़ी हैं जिसने डाल्टनगंज की गलियों से निकलकर राष्ट्रीय राजनीति तक अपनी पहचान बनाई।

उनकी यात्रा बताती है कि छोटे शहरों और कस्बों से निकलने वाला व्यक्ति भी राष्ट्रीय जीवन में अपनी प्रभावशाली जगह बना सकता है–यदि उसके भीतर लोगों से जुड़ने की क्षमता, सहजता और निरंतर सक्रिय रहने का संस्कार हो।

मैंने उन्हें बचपन से देखा है। उनके साथ चलते हुए राजनीति को देखा है, संस्कृति को देखा है, कलाकारों को सम्मान देते देखा है और सामान्य लोगों के बीच उनकी सहज उपस्थिति को महसूस किया है।

इसलिए जब मैं सुबोध भैया की बात करता हूं तो मेरे लिए यह किसी राजनेता की प्रशंसा मात्र नहीं होती। यह उस बड़े भाई का स्मरण होता है जिसने जीवन के लंबे सफर में मुझे स्नेह दिया, सम्मान दिया और अनेक अवसरों पर आगे बढ़ने का हौसला दिया।

पद आते हैं और चले जाते हैं। चुनाव जीतने और हारने का सिलसिला भी चलता रहता है। लेकिन किसी इंसान की सबसे बड़ी उपलब्धि यह होती है कि दशकों बाद भी लोग उसे उसके पद से नहीं, उसके व्यवहार से याद करें। सुबोध भैया की सबसे बड़ी पहचान शायद यही है।

पलामू की मिट्टी से राष्ट्रीय राजनीति तक पहुंचे इस सरल, सहज और बहुआयामी व्यक्तित्व को निकट से देखना मेरे लिए सौभाग्य रहा है।

और एक छोटे भाई के रूप में मैं पूरे विश्वास से कह सकता हूं–

सुबोध भैया जैसे इंसान केवल राजनीति में नहीं बनते, वे संस्कारों से बनते हैं।